RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 280 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 11-05-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 नौ साल में कुछ नहीं हुआ तो नौ महीने में क्या करेंगे नए मंत्री : अखिलेश यादव

6 सोमनाथ : आस्था, संकल्प और पुनर्जागरण की अनंत धारा

7 बिहार की मिट्टी में समानित होना सबसे बड़ी खुशी : संजना पांडे

फर्स्ट टेक

टीटीडी 1,600 टन से अधिक चारा दान किया गया

तिरुपति/भाषा। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की गौशाला को रविवार को लगभग 1,600 टन सूखा चारा दान किया गया। काकीनाडा जिले के जग्गम्पेटा से 180 ट्रकों में लाया गया यह चारा, तिरुपति स्थित श्री वेंकटेश्वर गौशाला में टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी सी. वेंकैया चौधरी को सौंपा गया। श्री वेंकटेश्वर गौशाला द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है, ''टीटीडी बोर्ड सदस्य ज्योथुला नेहरू और श्रीनिवास सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष टी सत्यनारायण ने दानदाताओं और जगमपेटा के किसानों के साथ मिलकर मंदिर निकाय द्वारा पाले जा रहे पशुओं के कल्याण के लिए टीटीडी गौशालाओं को लगभग 1,600 टन सूखा चारा दान किया।''

बांग्लादेश ने भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध की इच्छा जताई

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक वरिष्ठ सलाहकार ने रविवार को भारत के साथ सीमा पर दो बांग्लादेशी नागरिकों के मारे जाने की घटना पर चिंता व्यक्त की और कहा कि ढाका नई दिल्ली के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करना चाहता है। सीमा सुरक्षा बल ने शुक्रवार रात त्रिपुरा के सेपाहिजाला जिले में दो संदिग्ध बांग्लादेशी तस्करों को गोली मार दी थी। बाद में बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) अधिकारियों की मौजूदगी में कमलासागर सीमा चौकी के जरिए दोनों शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए। प्रधानमंत्री के राजनीतिक सलाहकार रुहुल कबीर रिजवी ने रविवार को कहा, हम मैत्रीपूर्ण संबंध चाहते हैं, लेकिन यदि सीमा बार-बार खून से लाल होती रहे तो अच्छे रिश्ते कायम नहीं रह सकते।

अमेरिकी शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया मिली : पाकिस्तान

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को कहा कि ईरान ने पश्चिम एशिया में संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से अमेरिका द्वारा दिये गए प्रस्ताव पर अपनी प्रतिक्रिया दे दी है। यह प्रयास संवेदनशील क्षेत्रीय युद्धविराम को बनाए रखने के उद्देश्य से किया जा रहा है। वाशिंगटन और तेहरान के बीच जारी वार्ता में पाकिस्तान मध्यस्थता कर रहा है। मौजूदा तनाव के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले जहाजरानी तंत्र में व्यवधान उत्पन्न हुआ है और वैश्विक ऊर्जा बाजार हिल गए हैं। भारत के साथ पाकिस्तान के पिछले संघर्ष (ऑपरेशन सिंदूर) की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शरीफ ने रविवार को कहा: फिलहाल, फील्ड मार्शल (आसिम मुनीर) ने मुझे सूचित किया है कि हमें ईरान का जवाब मिल गया है।

विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

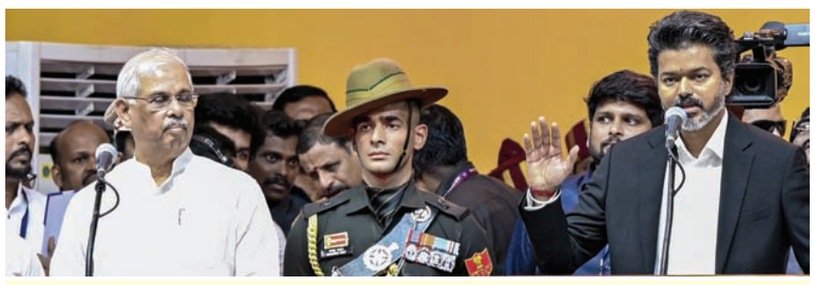

- विजय ने पारदर्शी शासन का वादा करते हुए कहा कि राज्य में सत्ता का केवल केंद्र वही होंगे।
- विजय ने मुख्यमंत्री पद संभालने के तुरंत बाद चुनावी वादों को लागू करने के लिए तीन फाइल पर हस्ताक्षर किए जिनमें घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का फैसला शामिल है।

चेन्नई। सी. जोसेफ विजय ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में रविवार को यहां रंगारंग समारोह में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और इसी के साथ ही इस दक्षिणी राज्य में 60 साल में पहली बार द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से इतर किसी दल की सरकार बनी। शपथ ग्रहण के बाद विजय ने पारदर्शी शासन का वादा करते हुए कहा कि राज्य में सत्ता का केवल केंद्र वही होंगे। विजय ने मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद यहां जवाहरलाल नेहरू इनडोर स्टेडियम में अपने पहले संबोधन में कहा कि ''वास्तविक धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय'' के लिए प्रतिबद्ध शासन का नया युग अब शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि उनके अलावा सत्ता का कोई दूसरा केंद्र नहीं होगा और सत्ता के एकमात्र केंद्र वही होंगे। इसे पूर्ववर्ती द्रमुक और अन्नाद्रमुक सरकारों पर परोक्ष कटाक्ष के रूप में देखा जा रहा है।

अभिनेता से नेता बने विजय (51) के पहले मंत्रिमंडल में युवा और अनुभवी दोनों तरह के नेता हैं। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख की मुख्य टीम को भी इसमें जगह मिली है। विजय ने मुख्यमंत्री पद संभालने के तुरंत बाद चुनावी वादों को लागू करने के लिए तीन फाइल पर हस्ताक्षर किए जिनमें घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का फैसला शामिल है। विजय ने अपने संबोधन में कहा कि वह किसी राजघराने से नहीं हैं और लोगों ने उन्हें स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि वह झूठे वादों से लोगों को धोखा नहीं देंगे।

उन्होंने कहा कि एक नई शासन व्यवस्था शुरू हुई है और वास्तविक धर्मनिरपेक्ष सामाजिक न्याय के नए युग की शुरुआत अब हो रही है। विजय के मंत्रिमंडलीय सहयोगियों आधव अर्जुन और के. आर. अरुणराज ने कहा कि टीवीके पारदर्शी शासन देगी। विजय के पिता एस ए चंद्रशेखर और उनकी मां शोभा, शीर्ष अभिनेत्री तृषा तथा बड़ी संख्या में आमंत्रित लोग जवाहरलाल नेहरू इनडोर स्टेडियम में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

पूर्व मुख्यमंत्री- द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम. के. स्टालिन और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख ई. के. पलानीस्वामी, विजय की पत्नी संगीता और उनके दोनों बच्चे शपथग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुए। विजय ने सरकारी फाइलों पर पहली बार हस्ताक्षर करते हुए घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने और महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष बल गठित करने को मंजूरी दी। विजय ने सरकार गठन में उनकी पार्टी को समर्थन देने के लिए कांग्रेस, विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और वाम दलों का धन्यवाद किया। विजय ने बच्चों का विशेष रूप से धन्यवाद करते हुए कहा कि टीवीके की जीत उन्हीं की वजह से हुई क्योंकि उन्होंने अपने परिवारों को उनकी पार्टी के पक्ष में मतदान करने के लिए राजी किया।

इससे पहले, राज्यपाल आर वी आर्लेकर ने विजय और उनके मंत्रिमंडल के नौ सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले मंत्रियों में द्रविड़ राजनीति के अनुभवी नेता के ए सेंगोट्टैयन और युवा चेहरे डॉ. टी के प्रभु तथा एस कीर्तना शामिल हैं। टीवीके कार्यकर्ताओं की लगातार ''गूंजती सीटियों'' के बीच विजय ने ईश्वर के नाम पर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके मंत्रियों ने भी ईश्वर के नाम पर शपथ ली जो पूर्ववर्ती द्रमुक सरकार के अधिकतर मंत्रियों के शपथ ग्रहण से अलग रहा।

रविवार के शपथग्रहण समारोह के साथ ही द्रविड़ राजनीति के गढ़ तमिलनाडु में करीब 60 साल में पहली बार द्रमुक और अन्नाद्रमुक से इतर किसी दल की सरकार बनी।

टीवीके प्रमुख की मुख्य टीम को मंत्रिमंडल में मिली जगह

हर राज्य में बाढ़ संकट प्रबंधन टीम गठित की जानी चाहिए : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- शाह ने जोर दिया कि जल संग्रहण और बांध परियोजनाओं के माध्यम से जल संरक्षण और भूजल स्तर में सुधार की अधिक संभावनाओं का पता लगाया जाना चाहिए।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में कहा कि प्रत्येक राज्य में बाढ़ संकट प्रबंधन टीम (एफसीएमटी) गठित करके उन्हें सक्रिय किया जाना चाहिए।

बैठक में शाह ने संभावित बाढ़ और लू से निपटने के लिए देश की तैयारियों की समीक्षा की। शाह ने इस बात पर जोर दिया कि आपदा प्रबंधन के तहत ऐसे इंतजाम किए जाने चाहिए कि आपदा से कोई जनहानि न होने के लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार, शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में स्थित 30 उच्च जोखिम वाली झीलों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करने की योजना में कम से कम 60 झीलों को शामिल किया जाना चाहिए। शाह ने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर बाढ़ पूर्वानुमान के लिए एक एकीकृत प्रणाली होनी चाहिए।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रत्येक राज्य में एफसीएमटी को गठित करके उन्हें सक्रिय किया जाना चाहिए।

गृह मंत्री ने एनडीएमए से एक अध्ययन करने को कहा ताकि यह पता लगाया जा सके कि कितने राज्य वनाग्नि, लू और बाढ़ से निपटने के लिए मंत्रालय के निर्देशों और एनडीएमए के दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं।

पारसी समुदाय की घटती आबादी रोकने को सरकार प्रतिबद्ध

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने देश के विकास में पारसी समुदाय के अटूट योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सरकार इस समुदाय की रक्षा करने और उनकी घटती आबादी को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। मुंबई के 'यशवंतराव चव्हाण सेंटर' में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग द्वारा आयोजित ''आधुनिक भारत में पारसी: सांस्कृतिक और सामाजिक-आर्थिक पथों पर अग्रसर'' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार इस समुदाय की विरासत के संरक्षण और सामाजिक-आर्थिक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर पारसी समुदाय के इतिहास, विरासत और भारत के सामाजिक, औद्योगिक तथा परोपकारी विकास में उनके योगदान को दर्शाती एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई।

'कौन बनेगा केरल का मुख्यमंत्री'

कांग्रेस आलाकमान के फैसले का इंतजार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केरल का मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह सवाल राज्य की जनता और राजनीतिक विश्लेषकों के मन में रविवार को भी बना रहा, क्योंकि कांग्रेस के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर अनिश्चितता बरकरार है। पार्टी आलाकमान ने इस संबंध में अब तक अपना फैसला नहीं सुनाया है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इस मामले पर मंथन कर रहे हैं और जल्द ही नाम की घोषणा होने की संभावना है।

तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने कहा कि केरल के मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी मौजूदा बहस ने दक्षिणी राज्य में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की चुनावी जीत को प्रभावित नहीं किया है।

कांग्रेस नेतृत्व ने केरल के अगले मुख्यमंत्री के चयन को लेकर शनिवार को पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख नेताओं के साथ विस्तृत चर्चा की।

> वेणुगोपाल, सतीशन और चेन्निथला मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं।

पार्टी अध्यक्ष के आवास '10 राजाजी मार्ग' पर हुई बैठक में खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश अध्यक्ष सनी जोसेफ, वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला, वी डी सतीशन तथा कांग्रेस के दोनों पर्यवेक्षक अजय माकन और मुकुल वासनिक एवं प्रदेश प्रभारी दीपा दासमुंशी शामिल हुए।

वेणुगोपाल, सतीशन और चेन्निथला मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं।

चेन्निथला ने बैठक के बाद कहा था, ''सभी ने अपने विचार व्यक्त किए और राहुल जी ने उन्हें धैर्यपूर्वक सुना। मुख्यमंत्री के संबंध में अंतिम निर्णय कांग्रेस आलाकमान द्वारा लिया जाएगा।

पाकिस्तान में पुलिस चौकी पर आत्मघाती हमले में 15 की मौत

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में एक पुलिस चौकी पर आत्मघाती हमले में कम से कम 15 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार को बन्नू जिले के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में हुई, जहां विस्फोटकों से भरे एक वाहन को पुलिस चौकी की ओर बढ़ते देख सुरक्षाकर्मियों ने उस पर गोलीबारी की। इसके बाद जोरदार विस्फोट हो गया। धमाके की चपेट में आकर आसपास के कई घरों की छत ढह गईं, पुलिस चौकी की इमारत पूरी तरह जमींदोज हो गई जिससे कई सुरक्षाकर्मी मलबे में दब गए। विस्फोट के तुरंत बाद उग्रवादियों के एक बड़े समूह ने पुलिस चौकी पर हमला कर दिया और उन्हें रोकने के लिए पुलिस की ओर से भी गोलीबारी की गई। बन्नू पुलिस के एक प्रवक्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस हमले में 15 सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई घायल हैं। हालांकि, हमले में कितने चरमपंथी मारे गए या कोई पकड़ा गया, इस बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है।

देश के गांवों की सड़कें समृद्धि के द्वार : शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को देश की ग्रामीण सड़कों को ''समृद्धि का द्वार'' बताते हुए मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई)-4 के तहत 1,763.08 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की शुरुआत की। यह कार्यक्रम योजना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।

सीहोर जिले के भैरूंदा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री चौहान ने राज्य में करोड़ों रुपए की सड़क परियोजनाओं पर काम किए जाने की जानकारी दी।

भैरूंदा, विदिशा लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। चौहान विदिशा से ही सांसद हैं।

चौहान ने कहा, '' देश की ग्रामीण सड़कें केवल सड़कें ही नहीं हैं, बल्कि समृद्धि, सम्मान, शिक्षा, उपचार, बाजार और अवसरों का द्वार हैं।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों, महिलाओं और गरीबों के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत तेजी से गौरवशाली, आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि पीएमजीएसवाई-4 के तहत मध्यप्रदेश में 2,117.52 किलोमीटर लंबी 973 सड़कों को मंजूरी दी गई है, जिनकी कुल लागत 1,763.08 करोड़ रुपए है। इससे राज्य की 987 बस्तियों को लाभ मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विदिशा क्षेत्र में 600.393 किलोमीटर लंबी 259 सड़कों को मंजूरी मिली है, जिससे 264 बस्तियों को लाभ होगा। इसे उन्होंने क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि बताया। चौहान ने कहा कि विदिशा संसदीय क्षेत्र में 500 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से सड़कें बनाई जाएंगी और उनकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी गांव सड़क से वंचित न रहे।

युद्ध के प्रभाव से पार पाने के लिए

विदेशी मुद्रा बचाने का संकल्प लेने का प्रधानमंत्री मोदी ने किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- मोदी ने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए पेट्रोल और डीजल का विवेकपूर्ण उपयोग करने, शहरों में मेट्रो रेल सेवाओं का उपयोग, कार पूलिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिकतम उपयोग, पार्सल भेजने के लिए रेल सेवाओं का उपयोग और घर से काम करने जैसे उपायों का सुझाव दिया।
- मोदी ने एक वर्ष के लिए सोने की खरीद और विदेश यात्राओं को स्थगित करने का आह्वान किया।

हैदराबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार लोगों को युद्ध के प्रतिकूल प्रभावों से बचाने के लिए प्रयास कर रही है और उन्होंने नागरिकों से चुनौतियों से पार पाने और देश की मदद करने के लिये कदम उठाने का आह्वान किया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई द्वारा यहां आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए पेट्रोल और डीजल का विवेकपूर्ण उपयोग करने, शहरों में मेट्रो रेल सेवाओं का उपयोग, कार पूलिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिकतम उपयोग, पार्सल भेजने के लिए रेल सेवाओं का उपयोग और घर से काम करने जैसे उपायों का सुझाव दिया।

मोदी ने कहा कि युद्ध के कारण पेट्रोल और उर्वरक की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जब आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव होता है, तो संकट से निपटने के विभिन्न उपायों के बावजूद मुश्किलें बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा, ''इसीलिए, वैश्विक संकट के दौरान, देश को सर्वोपरि रखते हुए, हमें संकल्प लेने होंगे।'' उन्होंने कहा, ''इसीलिए, वैश्विक संकट के दौरान, देश को सर्वोपरि रखते हुए, हमें संकल्प लेने होंगे। उन्होंने कहा, ''हमने कोरोना काल में घर से काम करना, डिजिटल माध्यम से बैठक, वीडियो कॉन्फ्रेंस और कई अन्य तरीके विकसित किए हैं। हम इनके अभ्यस्त हो गए हैं। इस समय की आवश्यकता है कि हम इन तरीकों को फिर से शुरू करें।''

संकट के चलते विदेशी मुद्रा बचाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए मोदी ने एक वर्ष के लिए सोने की खरीद और विदेश यात्राओं को स्थगित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें हर हाल में विदेशी मुद्रा बचानी होगी।

उन्होंने विदेशी मुद्रा बचाने और देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए खाद्य तेल की खपत कम करने, रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करने, प्राकृतिक खेती और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया।

11-05-2026 सूर्यास्त 6:36 बजे	12-05-2026 सूर्योदय 5:55 बजे
BSE 77,328.19 (-516.34)	NSE 24,176.15 (-150.50)
सोना 15,687 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 266,500 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हिन्दु स्थान

सारे हैं भारत माँ के सुत,
इस सकल राष्ट्र के अभिन्न अंग।
'सब हैं हिन्दू' हिंदुस्तानी,
जो हिंदुस्तां में रहे संग।
धरती का वाचक हिन्द शब्द,
चाहे इसके हों विविध रंग।
कथनी करनी हो एक अगर,
तो नहीं रंग में पड़े भंग।।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी मुख्यमंत्री विजय को बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख सी जोसेफ विजय को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी और कहा कि केंद्र सरकार लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करती रहेगी। टीवीके प्रमुख एवं उसके विधायक दल के नेता विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने चेन्नई में आयोजित भव्य समारोह में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मोदी ने पोस्ट में कहा, ''श्री सी. जोसेफ विजय को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई। उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं। केंद्र सरकार तमिलनाडु सरकार के साथ मिलकर लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए काम करती रहेगी।''

प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना के वारंगल में भारत के पहले पीएम मित्रा पार्क का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

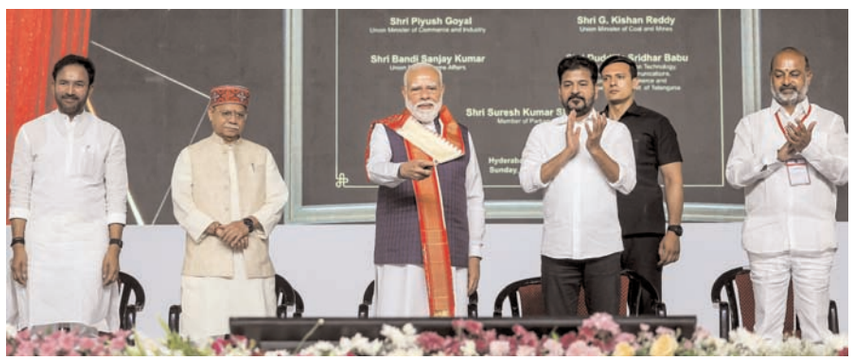

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तेलंगाना के वारंगल में 1,695.54 करोड़ रुपए की लागत से विकसित भारत के पहले पीएम मित्रा पार्क का उद्घाटन किया।

कपड़ा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह पार्क भारत में कपड़ा क्षेत्र के विकास में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इसमें 6,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की उम्मीद है और इसकी 62 प्रतिशत भूमि पहले ही आवंटित की जा चुका है। बयान के अनुसार 1,327 एकड़ में फैला यह पार्क कपड़ा मूल्य शृंखला में बड़े पैमाने पर अवसर पैदा करने के लिए तैयार है। इससे 24,400 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है, जबकि हजारों नौकरियां पहले ही सृजित की जा चुकी हैं।

सरकार ने सात राज्यों – कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और गुजरात में एक-एक पीएम मित्रा पार्क स्थापित करने की मंजूरी दी है। ये पार्क आधुनिक, बड़े पैमाने वाले और एकीकृत परिसर के रूप में तैयार किए जा रहे हैं, जो पूरी मूल्य शृंखला को जोड़ते हैं। पीएम मित्रा योजना भारत सरकार के 5एफ विजन – 'फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन' को साकार करते हैं।

परियोजना का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वारंगल का यह पार्क देश में कपड़ा क्रांति को गति देगा और विशेष रूप से महिलाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर पैदा करेगा। मंत्रालय ने कहा कि यह पार्क प्रमुख रेलवे नेटवर्क और बंदरगाहों के साथ बेहतरीन संपर्क प्रदान करता है, जिससे वैश्विक व्यापार के लिए निर्बाध लॉजिस्टिक सुनिश्चित होता है। इसे विश्व स्तरीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में तैयार किया गया है, जो आंतरिक सड़क नेटवर्क, समर्पित बिजली सबस्टेशन और सुनिश्चित जल आपूर्ति जैसे आधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है।

होसबाले ने युवतियों से एबीवीपी की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को युवतियों से उसके छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया।

होसबाले ने कहा कि एबीवीपी के विचारक और संगठनात्मक चिंतनशील यशवंतराव केलकर ने महिला भागीदारी, छात्राओं की पूर्णकालिक सहभागिता और छात्र संगठनों में रचनात्मक कार्य की पुरजोर वकालत की थी। उन्होंने बताया कि केलकर ने छात्र संगठन की विचारधारा और संगठनात्मक संरचना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आरएसएस नेता एबीवीपी की दिल्ली इकाई द्वारा केलकर की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में केदारनाथ साहनी सभागार में आयोजित 'प्रिय केलकर जी' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। होसबाले ने कहा कि केलकर ने ''छात्र आंदोलन का दर्शन'' विकसित किया और समझाया कि ऐसे संगठन का वैचारिक आधार और विचार प्रक्रिया क्या होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर, विद्यार्थी परिषद तीन आयामों के माध्यम से कार्य करती है – रचनात्मक कार्य, प्रतिनिधि कार्य और आंदोलनकारी कार्य। एबीवीपी के प्रमुख संस्थापकों में गिने जाने वाले केलकर को संगठन की वैचारिक रूपरेखा तैयार करने और छात्र सक्रियता के साथ-साथ रचनात्मक सामाजिक कार्य पर जोर देने का श्रेय दिया जाता है।

नई पीढ़ी, नई आवाज, नई कल्पना : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को सी जोसेफ विजय के तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर उन्हें बधाई दी और कहा कि राज्य ने एक नई पीढ़ी, एक नई आवाज तथा एक नई कल्पना को चुना है। गांधी ने चेन्नई में विजय के शपथग्रहण समारोह में भाग लिया और कार्यक्रम की तस्वीरें सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा कीं। विजय ने रविवार को एक भव्य समारोह में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही राज्य में 60 वर्षों बाद पहली बार गैर-द्रमुक (द्रविड़ मुनेत्र कषगम) और गैर-अन्नाद्रमुक (ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम) सरकार बनी है।

विपक्ष के नेता ने 'एक्स' पर कहा, ''तमिलनाडु ने चुनाव कर लिया है। एक नई पीढ़ी। एक नई आवाज। एक नई कल्पना। थिरु विजय को मेरी शुभकामनाएं – आशा है कि वह तमिलनाडु की जनता की आशाओं को पूरा करेंगे।'' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी विजय को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि लंबे समय से राज्य की राजनीतिक और सामाजिक चेतना को परिभाषित करने वाले आदर्श टीवीके प्रमुख के नेतृत्व में सरकार को आगे भी दिशा देते रहेंगे। खरगे ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, विजय के तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर मैं उन्हें, तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पार्टी और पूरे गठबंधन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।''

एयर इंडिया ने नैतिकता के उल्लंघन में तीन साल में 1,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

मुंबई/भाषा। टाटा समूह की एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने पिछले तीन साल में नैतिकता संबंधी मुद्दों के उल्लंघन के मामलों में 1,000 से अधिक कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त की हैं।

कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने शुक्रवार को कर्मचारियों के साथ आयोजित टाउनहॉल बैठक में कहा कि हर वर्ष सैकड़ों कर्मचारियों को नियमों के उल्लंघन के कारण हटाया जाता है। उन्होंने कर्मचारियों से सही आचरण बनाए रखने की अपील भी की।

सूत्रों के अनुसार, विल्सन ने कहा कि हटाए कर्मचारियों में ऐसे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने विमान से सामान की तस्करी की या अतिरिक्त सामान को बिना शुल्क विमान में ले जाने की अनुमति दी। उन्होंने कर्मचारी अवकाश यात्रा प्रणाली के दुरुपयोग का भी उल्लेख किया। सूत्रों ने मार्च में बताया था कि एयर इंडिया ने अपनी अवकाश यात्रा नीति के उपयोग में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं पकड़ी थीं, जिनमें 4,000 से अधिक कर्मचारी शामिल पाए गए। कंपनी ने दोषी कर्मचारियों पर जुर्माना लगाने समेत सुधारात्मक कदम उठाए हैं। वर्तमान में एयर इंडिया के पास 24,000 कर्मचारी हैं। कंपनी वित्तीय दबावों के बीच लागत में कटौती के उपाय भी कर रही है। इसके तहत वार्षिक वेतन वृद्धि रोकी गई है तथा कर्मचारियों को गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करने को कहा गया है।

'अमेरिकी शुल्क चुनौती के बीच सक्रिय वार्ता से समुद्री खाद्य उत्पादों के लिए खुला यूरोपीय बाजार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर समुद्री खाद्य उत्पादों के निर्यात के लिए उनका बाजार खुलवाया है।इससे देश को अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्कों से उत्पन्न चुनौतियों से उबरने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बाधाओं का अनुमान लगाया और भारतीय निर्यातकों के लिए वैकल्पिक बाजार सुरक्षित करने के लिए तेजी से कदम उठाए।

गोयल ने कहा, ''हमारी सरकार 24 घंटे काम करती है। अक्सर समस्या आने से पहले ही हम योजना बनाना और कार्रवाई शुरू कर देते हैं। मंत्री ने कहा कि भारतीय समुद्री खाद्य उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के अमेरिकी फैसले ने निर्यात को बड़ा झटका दिया था और मछुआरों के बीच भारी चिंता पैदा कर दी थी। उन्होंने बताया, ''जब अमेरिका ने भारतीय समुद्री खाद्य उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया, तो हमारे निर्यात को बड़ा नुकसान हुआ और मछुआरे बहुत परेशान थे। केंद्र ने यूरोपीय संघ के साथ संपर्क कर और उन नियामक बाधाओं को दूर करके इसका जवाब दिया, जिन्होंने पहले भारतीय खेप को प्रतिबंधित कर दिया था। उन्होंने कहा, ''हमने कड़ा रुख अपनाया और गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र का इस्तेमाल किया। आज 125 से अधिक भारतीय मत्स्य प्रतिष्ठान पंजीकृत हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि इससे भारत को एक बड़े और स्थिर बाजार तक फिर से पहुंच बनाने में मदद मिली है।

सीईसी ज्ञानेश कुमार ने तिरुमला मंदिर में पूजा की

मंदिर समिति के अधिकारियों ने दिया तीर्थ प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने अपने दौरे के दूसरे दिन रविवार को तिरुमला मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

मंदिर के पुजारियों ने कुमार और उनकी पत्नी का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया।

अधिकारी ने पीटीआई-भाषा' को बताया, सीईसी कुमार ने अपनी पत्नी के साथ रविवार को भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की।''

दर्शन के बाद, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अधिकारियों ने रंगनायक मंडपम में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को रेशमी वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। मंदिर समिति के अधिकारियों ने उन्हें तीर्थ प्रसाद' भी दिया।

'केरल के मुख्यमंत्री पर आलाकमान के फैसले को कांग्रेस कार्यकर्ताओं को स्वीकार करना होगा'

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने कहा कि केरल के अगले मुख्यमंत्री के चयन के संबंध में पार्टी कार्यकर्ताओं को आलाकमान का फैसला स्वीकार करना होगा। वह नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की जीत के बाद पार्टी के भीतर नेतृत्व मुद्दे पर हो रही चर्चा के बीच यहां पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। मुरलीधरन ने कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर मौजूदा बहस ने यूडीएफ की जीत को प्रभावित नहीं किया है।

उन्होंने कहा, ''पार्टी में यह आम बात है। फैसला आने दीजिए। नेतृत्व के फैसले को स्वीकार करना हर कांग्रेस कार्यकर्ता का दायित्व है।'' वरिष्ठ नेता वी. डी. सतीशन, के.सी. वेणुगोपाल व रमेश चेन्निथला को मुख्यमंत्री पद के लिए प्रबल दावेदार माना जा रहा है, जबकि अंतिम निर्णय नवनिर्वाचित 63 कांग्रेस विधायकों द्वारा पारित प्रस्ताव के बाद कांग्रेस अध्यक्ष खरगे द्वारा लिया जाएगा।

बीबीएम से थ्रीमा तक: कैसे मैसेजिंग ऐप जम्मू कश्मीर में आतंकी नेटवर्क को हवा देते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में आतंकी नेटवर्क में 'ब्लैकबेरी मैसेंजर (बीबीएम)' एप्लिकेशन का इस्तेमाल एक बार फिर सामने आया है। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक प्रमुख आतंकवादी से पूछताछ में अन्य आतंकवादियों के साथ संवाद के लिए कुछ प्रतिबंधित एप्लिकेशन समेत कई एप्लिकेशन के उपयोग का संकेत मिला है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा, मोहम्मद उस्मान जट्ट और कश्मीर घाटी में आतंकवादियों का साथ देने वाले कई 'ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू)' की गिरफ्तारी के साथ श्रीनगर पुलिस ने पिछले महीने के आरंभ में लश्कर के एक मॉड्यूल भंडाफोड़ किया था जिसे जम्मू और कश्मीर के बाहर ठिकाने स्थापित करने का जिम्मा सौंपा गया था। उन्होंने बताया कि अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के कसूर का रहने वाला है तथा मोहम्मद उस्मान जट्ट भी एक अन्य पाकिस्तानी आतंकवादी है।

अधिकारियों ने बताया कि इस मामले के अंतरराज्यीय और वैश्विक प्रभावों को देखते हुए, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) इसकी आगे की जांच कर रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान अबू हुरैरा ने जांचकर्ताओं को बताया कि वह और उसकी टीम 'व्हाट्सएप', 'टेलीग्राम', 'स्किपी' और 'सिग्नल' जैसे मुख्यधारा के मैसेजिंग ऐप के साथ-साथ 'बीबीएम', 'एलिमेंट', 'थ्रीमा' और 'डस्ट समेत कई अन्य एप्लिकेशन का उपयोग कर रहे थे। 'बीबीएम' पहली बार 2009 में जांच एजेंसियों की नजर में आया और तत्कालीन सरकार ने चेतावनी दी थी कि अगर इसके निर्माता, कनाडा स्थित 'रिसर्च-इन-मोशन (आरआईएम)' ने भारत में सर्वर स्थापित नहीं किए जिससे कि केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को उन तक पहुंच मिल सके, तो भारत में इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। अंततः कंपनी ने बात मान ली और 2011-12 में सर्वर स्थापित कर दिए गए।

हालांकि, 2019 में बीबीएम ने अपनी मुफ्त सेवाएं बंद कर दीं और कॉरपोरेट उपयोग के लिए तैयार सशुल्क सेवा 'बीबीएम एंटरप्राइज' शुरू की।

अधिकारियों ने बताया कि अबू हुरैरा के बयान के बाद, जांचकर्ता अब आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किए गए 'बीबीएम एंटरप्राइज' खातों के मालिकों का पता लगा रहे हैं और उन्होंने सेवा प्रदाता के साथ इस मामले को उठाने का मन बनाया है।

बीड में डीजल टैंकर पलटा, लोग बर्तनों में ईंधन इकट्ठा करने के लिए जमा हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीड/भाषा। महाराष्ट्र में बीड के माजलगांव में रविवार सुबह डीजल से भरा एक टैंकर पलट गया। टैंकर के पलट जाने के बाद उससे ईंधन के रिसाव के कारण विशाखापत्तनम की ओर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग का एक हिस्सा बाधित हो गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यह घटना तलखेड़ चौराहे के पास उस समय हुई, जब चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण मुख्य मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हो गया। उन्होंने बताया, ''टैंकर अहिल्यानगर से माजलगांव होते हुए परली वैजनाथ जा रहा था। सड़क पर बड़ी मात्रा में डीजल का रिसाव हो गया। आसपास के गांवों के निवासी मौके पर पहुंचे और कई लोगों ने बर्तनों में डीजल इकट्ठा करने की कोशिश की। इसके कारण कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

ग्रेट निकोबार परियोजना अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर देगी: जयराम रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को रविवार को पत्र लिखकर दावा किया कि ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना वहां के अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र को ''नष्ट'' कर देगी।

रमेश ने यादव से परियोजना के मौजूदा स्वरूप की पुन: समीक्षा करने का आग्रह किया। उन्होंने यादव को लिखे पत्र में कहा कि जिन अध्ययनों के आधार पर इस परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी दी गई है, वे ''पूरी तरह अपर्याप्त'' हैं और ''पर्यावरणीय प्रभाव आकलन प्रक्रिया का मजाक बना दिया गया है। रमेश ने कहा कि सुरक्षा विशेषज्ञों ने भी लिखा है कि देश की आवश्यक सुरक्षा जरूरतों को इतनी बड़ी ''पारिस्थितिकी तबाही'' के बिना भी पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''मैं फिर दोहराना चाहता हूं कि ग्रेट निकोबार द्वीप की जैव विविधता वैश्विक स्तर पर अद्वितीय है और समय-समय पर वहां नई खोज हो रही हैं। ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना इसी अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर देगी। रमेश ने कहा कि प्रतिपूरक वनीकरण का तर्क पूरी तरह खोखला है और मंत्री यह जानते हैं। कांग्रेस महासचिव रमेश ने कहा, ''मैं एक बार फिर आपसे आग्रह करता हूं कि रुककर इस परियोजना के मौजूदा स्वरूप एवं विवरण पर विचार करें तथा उसकी फिर से समीक्षा करें।

रमेश ने कहा कि यह स्पष्ट है कि जिन अध्ययनों के आधार पर परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी दी गई है, वे त्वरित पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) भी नहीं हैं और ये अध्ययन कुछ दिनों या कुछ सप्ताह में जुटाए गए आधारभूत आंकड़ों पर आधारित हैं तथा पूरी तरह अपर्याप्त हैं। उन्होंने कहा, ''ये रिपोर्ट विज्ञान का अपमान हैं और ईआईए प्रक्रिया का मजाक बनाती हैं। अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) में जिन 'व्यापक अध्ययनों, विस्तृत आकलनों और मजबूत पर्यावरणीय प्रभाव आकलन तथा पर्यावरण प्रबंधन योजना' का हवाला दिया गया है, उन्हें खोजने के मेरे सभी प्रयास विफल रहे हैं।

रमेश ने पत्र में कहा, ''सरकार द्वारा एक मई, 2026 को प्रकाशित 'ग्रेट निकोबार परियोजना: एफएक्यू' में कहा गया है कि 'परियोजना के संभावित पारिस्थितिकी प्रभावों की व्यापक रूप से पहचान और समीक्षा की गई है तथा मजबूत पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) प्रक्रिया एवं विस्तृत पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) के जरिये उनका प्रभावी प्रबंधन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानून के तहत बंदरगाह परियोजनाओं, खासकर अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में स्थित परियोजनाओं के लिए व्यापक ईआईए अध्ययन अनिवार्य है। रमेश ने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप की अद्वितीय जैव विविधता और पारिस्थितिकी को देखते हुए मजबूत एवं पूर्ण आधारभूत अध्ययन में कम से कम तीन मौसम को शामिल किया जाना चाहिए, ताकि मौसमी बदलावों का पर्याप्त अध्ययन और आकलन हो सके।

महबूबा मुफ्ती नेकां सरकार पर गलत आरोप लगा रही है : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को आरोप लगाया कि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती उनकी सरकार पर झूठे और निराधार आरोप लगा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि महबूबा मुफ्ती पिछले साल केंद्र शासित प्रदेश से राज्यसभा सीट जीतने में भाजपा को पीडीपी द्वारा की गई 'मदद' से लोगों का ध्यान भटकाना चाहती हैं। अब्दुल्ला ने गांदरबल में संवाददाताओं से कहा, ''कल मैं उनका (मुफ्ती का) भाषण सुन रहा था जिसमें उन्होंने दावा किया कि एक अधिकारी से तबादले के बदले रिश्वत मांगी गई थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि कोई जांच नहीं हुई क्योंकि रिश्वत मांगने वाला व्यक्ति मंत्री था। महोदया, कृपया मुझे बताएं कि नेशनल कॉन्फ्रेंस का कोषाध्यक्ष कौन सा मंत्री है? जहां तक मुझे पता है, नेशनल कॉन्फ्रेंस के कोषाध्यक्ष सांसद शम्मी ओबेरॉय हैं। अब तक ओबेरॉय न तो जम्मू-कश्मीर में मंत्री हैं और न ही केंद्र में। वह मुफ्ती के उस आरोप पर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे कि एक मंत्री ने अपनी पसंद की पोस्टिंग के लिए एक अधिकारी से 30 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी।

ट्रेन में बच्ची को उत्पीड़न से बचाने वाली महिला ने कहा, मेरे वीडियो से संदिग्ध गिरफ्तार हुआ

कोल्लम (केरल)/भाषा। केरल में एक ट्रेन में कथित उत्पीड़न से छह साल की बच्ची को बचाने में सहायता करने वाली एक महिला ने रविवार को कहा कि उसने आरोपी व्यक्ति के संदिग्ध व्यवहार का अपने मोबाइल फोन पर वीडियो रिकॉर्ड कर लिया था, जिससे बाद में पुलिस को उसकी पहचान करने और उसे गिरफ्तार करने में मदद मिली। वीणा सात मई की तड़के थेनमाला के पास पलक्कड़-थूथुकुडी पलारुवी एक्सप्रेस में इस घटना चश्मदीद हैं। उन्होंने कहा कि कैसे उस व्यक्ति के व्यवहार पर संदेह होने के बाद उन्होंने हस्तक्षेप किया। उन्होंने बताया कि यह चौंकाने वाली घटना तब घटी जब तमिलनाडु की बच्ची अपने दादा के साथ यात्रा कर रही थी और ट्रेन के डिब्बे में सो रही थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया है जो कोल्लम के अयाथिल के गांधीनगर का निवासी है। सहयात्री वीणा ने रविवार को मीडिया को बताया, ''जब मैं सो रही थी, तब उसने पहले मुझे परेशान करने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि वह व्यक्ति बाद में डिब्बे के दूसरे हिस्से की ओर बढ़ा जहां एक परिवार सो रहा था और उसने बच्ची को, जिसने चादर ओढ़ रखी, अपनी गोद में ले लिया।

अब खर्च को लेकर सतर्क और व्यावहारिक रुख अपना रहे हैं भारतीय उपभोक्ता : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय उपभोक्ता बदलती आर्थिक परिस्थितियों के बीच अब खर्च को लेकर अधिक सतर्क और व्यावहारिक रुख अपना रहे हैं। वे अपनी आकांक्षाओं और वित्तीय अनुशासन के बीच संतुलन बनाकर चल रहे हैं। डेलॉयट इंडिया की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। डेलॉयट की 'कंज्यूमर सिग्नल्स इंडिया चैप्टर' रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ताओं के खर्च का रुझान अब मुख्य रूप से जरूरी श्रेणियों तक सीमित हो रहा है, जबकि गैर-आवश्यक क्षेत्रों में खर्च केवल चुनिंदा क्षेत्रों में बढ़ रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया कि यात्रा क्षेत्र में त्योहारों के बाद कुल मांग में कुछ नरमी आई है, लेकिन उपभोक्ताओं का झुकाव प्रीमियम सेवाओं की ओर बढ़ रहा है। ग्राहक अब बेहतर मूल्य, सुविधा और भरोसेमंद सेवाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं।

डेलॉयट दक्षिण एशिया के भागीदार और उपभोक्ता उद्योग प्रमुख आनंद रामनाथन ने कहा कि भारतीय उपभोक्ता अब 'संतुलित उपभोग' के दौर में प्रवेश कर रहे हैं। वे अधिक परिपक्व और जुझारूपन के साथ सोच-समझकर खर्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिवार अब आवश्यक वस्तुओं को प्राथमिकता दे रहे हैं, बेहतर अनुभवों पर सीमित लेकिन गुणवत्ता वाला खर्च कर रहे हैं और बड़े वित्तीय फैसलों को फिलहाल टाल रहे हैं। भोजन पर संयमित खर्च और स्थिर बचत का रुझान भी इस बदलाव को दर्शाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, उद्देश्यपूर्ण उपभोग का यह रुझान भारतीय उपभोक्ता आधार की मजबूती को दर्शाता है, जो आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालते हुए भी गुणवत्ता और बेहतर अनुभव की तलाश जारी रखे हुए है।

'परजीवी' कांग्रेस का लोगों के साथ 'विश्वासघात' जगजाहिर : नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस को निशाना बनाते हुए उस पर कर्नाटक में आंतरिक सत्ता संघर्ष के कारण सुशासन प्रदान करने में 'विफल' रहने और जनता के साथ 'विश्वासघात' करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि वह आज 'परजीवी पार्टी' बन गयी है। उन्होंने कहा कि देश भर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव के बीच बेंगलूरु से एक 'भगवा सूर्य' का उदय हो रहा है। उनका इशारा हाल में पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत की ओर था।

मोदी ने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं की एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा, कर्नाटक में पिछले तीन वर्षों से सरकार का अधिकांश समय लोगों की समस्याओं का हल ढूंढने के बजाय आंतरिक संघर्षों को सुलझाने में व्यतीत हुआ है। कांग्रेस सरकार नेतृत्व और सत्ता-साझाकरण व्यवस्था पर अनिश्चितता से घिरी रही। वह पिछले छह महीनों से मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच चल रहे कथित सत्ता संघर्ष का जिक्र कर रहे थे।

उन्होंने कहा, कांग्रेस यह तय नहीं कर पा रही है कि मुख्यमंत्री कब तक पद पर बने रहेंगे। वह यह भी तय नहीं कर पा रही है कि किसी और को मौका मिलेगा या नहीं। सब कुछ अधर में लटका हुआ है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार कुछ ही महीनों में सत्ता-विरोधी लहर का सामना करने लगती है क्योंकि पार्टी के पास शासन का कोई एजेंडा नहीं होता। उन्होंने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि कांग्रेस को सिर्फ जनता को धोखा देना आता है। वे (कांग्रेस के नेता) खुद झूठे हैं और उनकी गारंटियां भी झूठी होती हैं। कांग्रेस की सत्ता की किताब में शासन का कोई अध्याय ही नहीं है।

प्रधानमंत्री ने भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को राजनीतिक स्थिरता और विकास के प्रतीक के रूप में पेश किया जबकि कांग्रेस को 'विश्वासघात की राजनीति' और पार्टी शासित राज्यों में प्रशासनिक विफलता का प्रतीक बताया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा अनिश्चित वैश्विक माहौल में स्थिरता का प्रतिनिधित्व करती है तथा राज्यों में हाल के चुनाव परिणाम राजग के शासन मॉडल के लिए बढ़ते जन समर्थन को दर्शाते हैं। पुडुचेरी और असम में राजग के सत्ता में बने रहने, पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा के सरकार बनाने और गुजरात के स्थानीय निकाय चुनाव में पार्टी की व्यापक जीत का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि ये परिणाम एक निर्णायक राजनीतिक बदलाव का संकेत देते हैं। उन्होंने कहा, ये चुनाव परिणाम भारतीय राजनीति की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण हैं। ये भारत के युवाओं, महिलाओं, किसानों, गरीबों और मध्यम वर्ग के मिजाज को दर्शाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत के लोग कह रहे हैं कि वे 'स्कैम' (घोटाले) नहीं, स्पीड' (तेजी) चाहते हैं, वे समाधान चाहते हैं। वे राष्ट्रीय नीति पर आधारित राजनीति चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा को मजबूत करने में कर्नाटक ने ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, यहां तक कि पार्टी के शुरुआती वर्षों में भी। उन्होंने कहा, मैं देख सकता हूं कि आज बेंगलूरु की धरती से भगवा सूर्य का उदय हुआ है। जब भाजपा इतनी बड़ी पार्टी नहीं थी, तब भी कर्नाटक ने इसे जबरदस्त ताकत दी। मोदी ने कहा कि लोकसभा प्रतिनिधित्व के मामले में भाजपा अब कर्नाटक में नंबर एक पार्टी है और पड़ोसी राज्य तेलंगाना में दूसरी सबसे बड़ी ताकत है। दक्षिण और पूर्वी भारत में भाजपा के विस्तार की ओर इशारा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक दशक पहले पश्चिम बंगाल में मात्र तीन विधायकों से आगे बढ़कर पार्टी अब 200 से अधिक विधायकों के साथ सरकार बनाने में सफल हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि केरल में भाजपा विधायकों की संख्या में एक से बढ़कर तीन हो जाना इस बात का संकेत है कि राजग अंततः वहां भी एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरेगा और आने वाले वर्षों में सरकार बनाएगा। उन्होंने यह भी पूछा कि हाल के विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत मिलने के बावजूद कांग्रेस ने केरल में सरकार क्यों नहीं बनाई।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब कांग्रेस आलाकमान अभी तक केरल के मुख्यमंत्री पद के लिए तीन वरिष्ठ नेताओं की दावेदारी के चलते किसी भी नेता का चयन नहीं कर पाया है। उन्होंने कहा, हम केंद्र में 12 वर्षों से सत्ता में हैं। भाजपा-राजग सरकारें 21 से अधिक राज्यों में सत्ता में हैं। हम इस सिद्धांत पर काम कर रहे हैं कि राज्यों का विकास राष्ट्र के विकास की ओर ले जाता है।

कांग्रेस नेतृत्व पर हमला जारी रखते हुए मोदी ने कहा कि पार्टी एक समय में 400 से अधिक लोकसभा सीट जीतने के बावजूद पिछले तीन आम चुनावों में 100 सीटों का आंकड़ा पार करने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी चुनावी हार के लिए दूसरों को दोषी ठहराते हैं और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति भी अवमानना प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने कहा, अपने पूरे सार्वजनिक जीवन में मैंने किसी भी मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टी को इस तरह व्यवहार करते नहीं देखा। वे (कांग्रेस के नेता) इतनी गहरी निराशा में डूब चुके हैं कि उनके पास अपशब्दों का प्रयोग करने के अलावा कोई एजेंडा नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि द्रमुक के समर्थन के कारण कांग्रेस वर्षों तक राजनीतिक रूप से टिकी रही लेकिन सत्ता समीकरण बदलने पर उसने क्षेत्रीय पार्टी की पीठ में छुरा घोंपा।

उनका इशारा द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन से अलग होने के बाद अभिनेता-राजनेता विजय के नेतृत्व वाली टीवीके द्वारा तमिलनाडु में सरकार बनाने को कांग्रेस के समर्थन की ओर था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़, राजस्थान और कर्नाटक जैसे राज्यों में भी नेतृत्व व्यवस्था को लेकर वादे करके और बाद में उन्हें तोड़कर अपने ही नेताओं के साथ ऐसा ही विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा, कर्नाटक में अब भी वही खेल चल रहा है। अब केरल की बारी आ गई है। मोदी ने कहा, अब परजीवी कांग्रेस को एक और पार्टी की जरूरत है जिसके कंधों पर सवार होकर वह राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बनी रह सके।

मोदी के कार्यक्रम स्थल के पास से जिलेटिन की दो छड़ मिलीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु के बाहरी इलाके में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम स्थल के पास सड़क किनारे से जिलेटिन की दो छड़ बरामद की गईं, जिसके बाद सुरक्षा उपायों को बढ़ा दिया गया और विस्फोटकों के स्रोत की पुलिस जांच शुरू की गई। पुलिस ने बताया कि कग्गलीपुरा थाना क्षेत्र के तातागुनी के पास नियमित सुरक्षा जांच के दौरान जिलेटिन की छड़ें मिलीं, जो प्रधानमंत्री के यात्रा कार्यक्रम से जुड़े मार्ग से ज्यादा दूर नहीं है।

मोदी बेंगलूरु में कनकपुरा रोड पर स्थित 'आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर' के 45वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शिरकत करने पहुंचे थे। पुलिस ने एक बयान में कहा, रविवार सुबह प्रधानमंत्री के आगमन से पहले, जांच के दौरान, मुख्य कार्यक्रम स्थल से लगभग तीन किलोमीटर दूर एक फुटपाथ के किनारे दो जिलेटिन छड़ मिलीं। विस्तृत जांच जारी है। इस बरामदगी के बाद सुरक्षा एजेंसियों को तत्काल अलर्ट जारी कर दिया गया और पुलिस, बम निरोधक दस्ते तथा फॉरेंसिक कर्मी विस्फोटक सामग्री की जांच के लिए घटनास्थल पर पहुंचे।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि एजेंसियां इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि जिलेटिन छड़ों को संबंधित क्षेत्र में रखने का मकसद क्या था और इसमें कौन-कौन लोग भी संलिप्त थे।

मोदी ने 'आर्ट ऑफ लिविंग' की सराहना की

विकसित भारत के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेवा, अध्यात्म और सामाजिक बदलाव को बढ़ावा देने में 'आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन' की भूमिका की रविवार को सराहना की और विकसित भारत के निर्माण के लिए पर्यावरणीय जिम्मेदारी, युवा सशक्तीकरण एवं आंतरिक कल्याण के जरिये मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया। मोदी 'आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन' के 45 वर्ष पूरे होने और इसके संस्थापक श्री श्री रविशंकर से जुड़े समारोहों में भाग लेने के लिए यहां 'आर्ट ऑफ लिविंग' अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

उन्होंने बेंगलूरु को ऐसा शहर बताया, जो केवल वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में ही नहीं उभरा बल्कि इसने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना को भी ऊंचाई दी है। प्रधानमंत्री ने विशाल परिसर में एक नए ध्यान केंद्र का भी उद्घाटन किया और भावी पीढ़ियों के लिए शांति एवं आरोग्य का केंद्र तैयार करने को लेकर संगठन को बधाई दी। उन्होंने भारत के सभ्यतागत मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की अपार विविधता को जोड़ने वाला मूल भाव निःस्वार्थ सेवा है।

मोदी ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से भारत में आध्यात्मिक आंदोलनों ने मानवता की सेवा के जरिये स्वयं को अभिव्यक्त किया है। उन्होंने आदिवासी सशक्तीकरण पहलों और कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के प्रयासों सहित कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से इस सिद्धांत को अपनाने के लिए 'आर्ट ऑफ लिविंग' की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा, '2भारत में आध्यात्मिक आंदोलन मानवता की सेवा पर जोर देते हैं। मोदी ने कहा कि समाज की भागीदारी राजनीतिक व्यवस्थाओं से अधिक प्रभावी होती है और यह राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक है। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन की सफलता का उदाहरण देते हुए कहा, जब तक समाज स्वयं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भागीदारी नहीं करता, तब तक कोई भी सरकार सफल नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अभियान जन-भागीदारी से आगे बढ़ा।

मोदी ने डिजिटल युग में भारत के बदलाव को रेखांकित करते हुए कहा कि देश डिजिटल भुगतान में वैश्विक अगुआ बना है, उसने दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक विकसित किया है और वह मुख्य रूप से युवाओं की ऊर्जा से बुनियादी ढांचे एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। मोदी ने कहा, भारत न केवल वैज्ञानिक नवोन्मेष में साझेदार है, बल्कि कई क्षेत्रों में नेतृत्व भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि 'आर्ट ऑफ लिविंग' जैसी संस्थाएं युवाओं को आधुनिक जीवन की चुनौतियों से निपटने में मदद कर रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, प्रौद्योगिकी दूर बैठे लोगों को तुरंत जोड़ देती है। लेकिन हम दुनिया से भले ही जुड़ें या नहीं जुड़ें, जरूरी यह है कि हम स्वयं से जुड़ें। मोदी ने कहा कि विकसित भारत का निर्माण ऐसे युवा करेंगे, जो मानसिक रूप से शांत, सामाजिक रूप से जिम्मेदार और समाज के प्रति संवेदनशील होंगे। उन्होंने आध्यात्मिक कल्याण, योग, ध्यान और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी पहलों के महत्व को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने संगठन के स्वयंसेवकों से प्राकृतिक खेती और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी और बढ़ाने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, आज बीमारी में भी लोग प्राकृतिक उपचार की तलाश कर रहे हैं। हमारी धरती माता को भी प्राकृतिक उपचार की जरूरत है। रासायनिक उर्वरकों ने हमारे खेतों को कमजोर किया है और धरती माता को नुकसान पहुंचाया है। धरती माता को रसायनों से बचाना भी 'आर्ट ऑफ लिविंग' (जीवन जीने की कला) है।

मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को और सहयोग देने का आह्वान करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण को सतत विकास से अलग नहीं किया जा सकता। मोदी ने कहा, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था को अलग नहीं किया जा सकता। उन्होंने स्वयंसेवकों से मानसून से पहले जल संरक्षण को बढ़ावा देने, बिजली बचाने को लेकर जागरूकता बढ़ाने, एकल-उपयोग प्लास्टिक के इस्तेमाल को हतोत्साहित करने और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने का भी आह्वान किया।

केंद्र की 'मिशन लाइफ' पहल का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि यह प्रकृति के साथ सामंजस्य पर आधारित सजग और जिम्मेदार जीवनशैली का प्रतीक है। उन्होंने कहा, मेरे विचार में 'मिशन लाइफ' भी एक तरह से 'आर्ट ऑफ लिविंग' की ही अभिव्यक्ति है। मोदी ने विश्वास जताया कि 'आर्ट ऑफ लिविंग' अपने सामाजिक कार्यों का विस्तार जारी रखेगा तथा बदलाव के वाहक के रूप में अपनी भूमिका को और मजबूत करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि संगठन जब रविशंकर की जन्मशती मनाएगा, तब तक ये सभी लक्ष्य हासिल हो जाएंगे।

शिवकुमार ने मोदी के दावे का खंडन किया, मुख्यमंत्री की कुर्सी को 'स्थिर' बताया

रायचूर। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दावे का खंडन किया जिसमें राज्य के मुख्यमंत्री की 'कुर्सी डगमगाने' की बात कही गई है। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी निभा रहे शिवकुमार ने रायचूर जिले के लिंगासागुर में संवाददाताओं से कहा, कर्नाटक में कोई कुर्सी नहीं डगमगा रही है। सभी कुर्सियां स्थिर हैं। मुझे नहीं पता कि प्रधानमंत्री किस बात का जिक्र कर रहे हैं। वह प्रधानमंत्री के उस बयान का जवाब दे रहे थे जिसमें उन्होंने राज्य सरकार के भीतर सत्ता संघर्ष का आरोप लगाया था।

कर्नाटक कांग्रेस के भीतर चल रहे 'सत्ता संघर्ष' के केंद्र में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और डी के शिवकुमार के बीच हुआ वर्ष 2023 का वह कथित समझौता है जिसके तहत दोनों के ढाई-ढाई साल तक सरकार का नेतृत्व करने पर अनौपचारिक सहमति बनी थी। लेकिन पार्टी ने इस समझौते की कभी सार्वजनिक रूप से पुष्टि नहीं की है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को बेंगलूरु में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह कर्नाटक में आंतरिक सत्ता संघर्ष के कारण सुशासन प्रदान करने में विफल रही है और जनता के साथ विश्वासघात किया है।

रविवार को बेंगलूरु में कर्नाटक के राज्य के योजना एवं सांख्यिकी मंत्री डी. सुधाकर को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राज्यपाल थावरचन्द गहलोत एवं मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या।

डी. सुधाकर : संघर्ष और जनसरोकारों से गढ़ी विरासत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के योजना एवं सांख्यिकी मंत्री डी. सुधाकर का लंबी बीमारी के बाद रविवार को निधन हो गया। जमीनी राजनीति, सहज जनसंपर्क और दशकों तक सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे सुधाकर अपने पीछे संघर्ष और जनसेवा से गढ़ी एक मजबूत राजनीतिक विरासत छोड़ गए हैं। सुधाकर (66) पिछले करीब दो माह से फेफड़ों के संक्रमण के इलाज के लिए कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (केआईएमएस) में भर्ती थे, जहां रविवार तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली।

जैन समुदाय से ताल्लुक रखने वाले हिरियूर से कांग्रेस विधायक सुधाकर ने बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच अपने राजनीतिक सफर को आगे बढ़ाया, लेकिन मध्य कर्नाटक के लोगों के साथ उनका गहरा जुड़ाव हमेशा बना रहा।

चित्रदुर्गा जिले के चल्लाकेरे में जन्मे सुधाकर ने प्रारंभिक शिक्षा वहीं से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने शिवमोगा के राष्ट्रीय महाविद्यालय से वाणिज्य में स्नातक की डिग्री हासिल की। राजनीति का माहौल उन्हें परिवार से ही मिला था। सुधाकर ने औपचारिक रूप से 2004 में चुनावी राजनीति में कदम रखा और चल्लाकेरे विधानसभा सीट से जीत हासिल की। चल्लाकेरे सीट 2008 में सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद उन्होंने अपना राजनीतिक क्षेत्र बदलकर हिरियूर का रुख किया और निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरे। यह फैसला उनके राजनीतिक साहस और मतदाताओं के साथ उनके व्यक्तिगत भरोसे को दर्शाता था।

हिरियूर से जीत दर्ज करने के बाद उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येदियुरप्पा और भारतीय जनता पार्टी को समर्थन दिया। बाद में वह भाजपा सरकार में मंत्री भी बने। उन्होंने 2013 में कांग्रेस में वापसी की और हिरियूर से फिर चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे। इसी दौरान उन्हें कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियां सौंपी गईं। उन्होंने कर्नाटक राज्य विद्युत विकास निगम के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया और प्रौद्योगिकी तथा औद्योगिक विकास से जुड़ी पहलों में सक्रिय भूमिका निभाई।हालांकि 2018 के विधानसभा चुनाव में उन्हें भाजपा की पूर्णिमा के हाथों हार का सामना करना पड़ा, लेकिन वह राजनीति में सक्रिय रहे और क्षेत्र से उनका जुड़ाव कायम रहा। इसके बाद 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर उनकी वापसी ने हिरियूर में उनके स्थायी प्रभाव को फिर साबित किया।

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद उन्हें सिद्दरामय्या मंत्रिमंडल में योजना एवं सांख्यिकी मंत्री बनाया गया। साथ ही वह चित्रदुर्ग जिले के प्रभारी मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे। उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सुधाकर के साथ उनका रिश्ता केवल राजनीति तक सीमित नहीं था। खरगे ने कहा, मेरी उनके पिता से भी गहरी मित्रता थी।

जब कोई करीबी अचानक इस तरह चला जाता है तो दुख गहरा हो जाता है। आज मैं ऐसी पीड़ा में हूं जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सुधाकर बेहद सक्रिय और जनोन्मुख नेता थे, जिनके पास अभी जनता के लिए बहुत कुछ करने का अवसर था। खरगे ने 'एक्स' पर लिखा, मन यह मानने को तैयार नहीं है कि इतनी कम उम्र में वह हमें छोड़कर चले गए। उन्होंने कहा कि सहकारी क्षेत्र में लंबे समय तक काम करने वाले सुधाकर ने अपनी सक्रियता और ऊर्जावान व्यक्तित्व से लोगों का ध्यान आकर्षित किया था।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सुधाकर के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह खबर सुनकर उन्हें बड़ा दुख हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वह अस्पताल में सुधाकर से मिले थे, तब उन्हें लगा था कि वह ठीक हो जाएंगे। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, सुधाकर जनसेवा के प्रति गहरा सरोकार रखने वाले और समर्पित रहने वाले व्यक्ति थे। ऐसे व्यक्ति को और कई वर्षों तक लोगों के बीच रहना चाहिए था। चिकित्सकों के अथक प्रयासों और हम सबकी दुआओं के बावजूद सुधाकर आज हमें छोड़कर चले गए। यह अत्यंत पीड़ादायक क्षण है। सुधाकर के परिवार में उनकी पत्नी हर्षिणी, बेटी स्पूर्ति और बेटा सुहास हैं।

विजय ने तय प्रारूप से हटकर शपथ ग्रहण समारोह को एक प्रभावशाली भाषण में बदला, राज्यपाल ने उन्हें टोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में टीवीके प्रमुख जोसेफ विजय ने रविवार को पूर्व निर्धारित प्रारूप से हटकर और अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य को दर्शाने के लिए हाथ के इशारे करके शपथ ग्रहण समारोह को एक प्रभावशाली शपथ भाषण में बदलने का प्रयास किया। हालांकि, राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने हस्तक्षेप किया और उन्हें आधिकारिक शपथ के प्रारूप तक ही सीमित रहने को कहा।

राज्यपाल द्वारा शपथ दिलाना शुरू करते ही विजय ने पूर्व निर्धारित प्रारूप से हटकर बोलना शुरू किया, ''मैं, सी. जोसेफ विजय, भारत के विधिवत स्थापित संविधान के प्रति निष्ठावान रहूंगा... तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में, मैं ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वाह करूंगा। मैं कानून के शासन का पालन करूंगा, ईमानदारी से काम करूंगा, घृणा को दूर करूंगा और जनता के सभी वर्गों के लिए ईमानदारी से काम करूंगा। मैं ईश्वर की कसम खाकर यह शपथ लेता हूं।'' ऐसा कहते हुए विजय ने अपना दाहिना हाथ उठाया और मुट्ठी भींच ली।

विजय के पीछे खड़े तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नवनिर्वाचित विधायक ए. राजमोहन ने खुशी से ताली बजाई और पार्टी कार्यकर्ता भी खुशी से झूम उठे। मंच के सामने मौजूद विजय के माता-पिता भावुक हो गए। इस पर, राज्यपाल ने हस्तक्षेप किया और विजय को दिए गए कागज से आधिकारिक शपथ पढ़ने को कहा। विजय ने राज्यपाल से कुछ स्पष्टीकरण मांगा और फिर लिखित शपथ पढ़ी।

कोटा में सिजेरियन प्रसव के बाद की जटिलताओं के कारण एक और महिला की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में 22 वर्षीय एक महिला की सरकारी जे के लोन अस्पताल में सिजेरियन प्रसव के बाद कथित तौर पर उत्पन्न जटिलताओं के कारण मौत हो गयी जबकि दो अन्य महिलाओं में किडनी संबंधी दिक्कतें सामने आने के बाद उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (एनएमसीएच) में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। हालांकि, जेके लोन अस्पताल प्रशासन का कहना है कि महिला की मौत सिजेरियन प्रसव के बाद संक्रमण के कारण नहीं, बल्कि हृदय संबंधी जटिलताओं की वजह से हुई। मृतका की पहचान बूंदी जिले के सुनवासा गांव निवासी रोहित महावर की पत्नी प्रिया महावर (22) के रूप में हुई है। उनका नवजात शिशु जीवित है और स्वस्थ बताया जा रहा है।

जेके लोन अस्पताल की अधीक्षक डॉ. निर्मला शर्मा ने बताया कि महिला का पहले स्थानीय स्तर पर एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा प्रसव पीड़ा के लिए उपचार किया गया था, जिसके बाद शनिवार को उसे अस्पताल रेफर किया गया। उन्होंने कहा, महिला की हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने बच्चे को बचाने के लिए सिजेरियन प्रसव कराया। नवजात पूरी तरह स्वस्थ है। हालांकि, मां को बाद में हृदय संबंधी जटिलताएं हो गईं और उन्हें पैरॉक्सिस्मल सुप्रावेंट्रिकुलर टैकीकार्डिया (पीएसवीटी) हुआ जिससे उनकी हृदय गति 200 धड़कन प्रति मिनट से अधिक हो गई।

शर्मा ने कहा कि डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। दो अन्य महिलाओं, छावनी क्षेत्र की निवासी आरती (33) और पिंकी में अस्पताल में सिजेरियन प्रसव के बाद किडनी से जुड़ी जटिलताएं विकसित हो गयीं, जिनमें पेशाब रुकना भी शामिल है। दोनों को शनिवार को एनएमसीएच के सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक स्थित नेफ्रोलॉजी वार्ड में भर्ती कराया गया।

डॉ. शर्मा ने कहा, कोटा के अस्पतालों में इस समय जो स्थितियां सामने आ रही हैं, वे हमारी समझ से परे हैं और इसके वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत शोध की आवश्यकता है। उन्होंने जनवरी में उदयपुर के एक अस्पताल में हुई ऐसी ही घटना का भी जिक्र किया और कहा कि उस मामले से सबक लिया गया होता तो शायद ऐसी जटिलताओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सकती थी। इस बीच, शुक्रवार को एनएमसीएच के स्त्री रोग वार्ड में शिरीन (20) और किरण (26) संक्रमित हो गईं और उन्हें कथित तौर पर एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित करना पड़ा। वहीं, सोमवार शाम एनएमसीएच में सिजेरियन प्रसव के बाद जटिलताओं का सामना करने वाली चार महिलाओं में से तीन की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है।

कोटा अस्पताल में हुई मौतों की जांच तेज, 24 दवाओं पर प्रतिबंध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कोटा मेडिकल कॉलेज में सीजेरियन डिलीवरी के बाद दो महिलाओं की मौत और कई अन्य मरीजों के गंभीर रूप से बीमार होने की खबरों के मद्देनजर राजस्थान सरकार ने व्यापक प्रशासनिक कार्रवाई शुरू कर दी है। एहतियात के तौर पर, औषधि नियंत्रण विभाग ने राज्य भर में 24 दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के उपयोग, बिक्री और वितरण पर अगले आदेश तक प्रतिबंध लगा दिया है। प्रतिबंधित वस्तुओं में इंजेक्शन, ग्लूकोज की बोतलें, आईवी सेट, सिरिंज, कैथेटर और अन्य चिकित्सा सामग्रियां शामिल हैं जिनका उपयोग आमतौर पर सर्जरी और प्रसवोत्तर उपचार के दौरान किया जाता है।ड्रग कंट्रोलर अजय फाटक ने राजस्थान चिकित्सा सेवा निगम लिमिटेड (आरएमएससीएल) और राज्य भर के दवा विक्रेताओं को निर्देश जारी कर उन दवाओं और उपकरणों का उपयोग या वितरण न करने का निर्देश दिया है जिनके नमूने प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया कि परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने तक इन दवाओं और उपकरणों का उपयोग किसी भी सरकारी अस्पताल या मेडिकल कॉलेज में नहीं किया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार, जांच के दायरे में आए 24 दवाओं और चिकित्सा उपकरणों में से 15 को आरएमएससीएल द्वारा कोटा मेडिकल कॉलेज को आपूर्ति की गई थीं, जबकि शेष नौ को अस्पताल प्रशासन द्वारा स्थानीय स्तर पर प्राप्त किया गया था। सभी दवाओं और उपकरणों के नमूने प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजे गए हैं, और जांच पूरी होने तक इनकी आपूर्ति और उपयोग निलंबित रहेगा। यह विवाद कोटा मेडिकल कॉलेज में दो महिलाओं की सीजेरियन ऑपरेशन के बाद मृत्यु और कई अन्य मरीजों के गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के सामने आने के बाद सामने आया। जनता की चिंता बढ़ने पर चिकित्सा विभाग ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए।

शुरुआती जांच में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की लापरवाही पाई गई, जिसके बाद कई अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई। डॉ. श्रद्धा उपाध्याय को इस मामले में सेवा से हटा दिया गया है। दो नर्सिंग स्टाफ सदस्यों और सर्जरी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. नवनीत कुमार को भी निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा, वार्ड प्रभारी और अन्य चिकित्सा कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

जोधपुर में 14 को भैरों सिंह शेखावत की प्रतिमा स्थापित की जाएगी

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति और तीन बार राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे भैरों सिंह शेखावत भारतीय लोकतंत्र के चलते-फिरते विश्वविद्यालय थे। उन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया और अपने अनुभव, आचरण और लोक सेवा के आदर्शों से राजनीति को नई दिशा दी। 14 मई को जोधपुर में भैरों सिंह शेखावत की प्रतिमा के अनावरण समारोह की तैयारियों का जायजा लेने के बाद मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राजस्थान के लोगों ने इस दिग्गज नेता के प्रति हमेशा से गहरा सम्मान और स्नेह रखा है। उन्होंने आगे कहा कि जोधपुर में स्थापित होने वाली यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन और लोक सेवा के लिए प्रेरित करेगी।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि गांवों के विकास, किसानों के कल्याण और आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से राजस्थान सरकार ने ग्राम रथ यात्रा शुरू की है। शेखावत रविवार को जैसलमेर जिले के फलसूंड में आयोजित ग्राम रथ यात्रा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि योजनाओं की जानकारी सीधे गांवों तक पहुंचे और पंचायतों से जुड़ी समस्याएं प्रभावी ढंग से सरकार तक पहुंचें।

उन्होंने बताया कि कृषि क्षेत्र में अब केवल उत्पादन ही नहीं, बल्कि प्रसंस्करण, तकनीक और मूल्य संवर्धन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इससे किसानों की आय बढ़ाने के नए अवसर पैदा होंगे। इसी दिशा में आगामी दो माह में ग्लोबल राजस्थान एग्रीकल्चर मीट आयोजित की जाएगी, जिसमें कृषि को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने पर चर्चा होगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में लगभग 35 लाख करोड़ रुपए के निवेश समझौते हुए, जिनमें से कई परियोजनाएं अब धरातल पर उतर रही हैं। इसी तरह कृषि क्षेत्र में भी बड़े स्तर पर निवेश और नवाचार की संभावनाएं विकसित की जा रही हैं।

शेखावत ने कहा कि लंबे समय बाद उन्हें फलसूंड क्षेत्र में आकर ग्रामीणों से सामूहिक रूप से संवाद करने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि पिछली रात देर तक जनचौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं, संबंधित दस्तावेज एकत्र किए गए और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारियों को क्षेत्र की जमीनी वास्तविकताओं से अवगत कराया गया है, ताकि समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

देशी स्वाद और आत्मीयता से सराबोर हुआ केंद्रीय मंत्री शेखावत का प्रवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का फलसूंड प्रवास रविवार को आत्मीयता, ग्रामीण संस्कृति और पारंपरिक राजस्थानी स्वाद से सराबोर नजर आया। ग्राम पंचायत फलसूंड में देर रात लगभग डेढ़ बजे तक चली जनसुनवाई एवं रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनने और संवाद करने के बाद शेखावत ने गांव में निवर्तमान सरपंच रतन सिंह के निवास पर रात्रि विश्राम किया। रविवार प्रातः केंद्रीय मंत्री शेखावत ने ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा ग्रामीण परिवेश की सहजता और अपनत्व को करीब से महसूस किया। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा पारंपरिक राजस्थानी व्यंजनों से उनका विशेष सत्कार किया गया।

शेखावत को कलेवा में राबोड़ी, केर-सांगरी का साग, बाजरे की गरमा-गरम रोटी, गुड़ से बना बाजरे का चूरमा, लापसी, मक्खन, राबड़ी, रायता सहित अनेक देसी एवं स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गए।

केंद्रीय मंत्री ने ग्रामीण संस्कृति, स्थानीय खानपान और आत्मीय आतिथ्य की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान की मिट्टी में अपनत्व, संस्कृति और परंपराओं की जो खुशबू है, वही इसकी सबसे बड़ी पहचान है। ग्रामीणों ने भी अपने बीच केंद्रीय मंत्री को सहज रूप में पाकर खुशी व्यक्त की। पूरे वातावरण में आत्मीयता, ग्रामीण संस्कृति और परंपराओं की जीवंत झलक दिखाई दी।

मुख्य सचिव को बदनाम करने के लिए लेख पोस्ट करने के आरोप मे पत्रकार पर प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्य सचिव और राज्य प्रशासन को कथित तौर बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया पर लेख पोस्ट करने के आरोप में जयपुर के एक पत्रकार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी के अनुसार यह कार्रवाई स्वतंत्र पत्रकार महेश झालानी द्वारा 26 अप्रैल को फेसबुक पर की गई एक पोस्ट के बाद शुरू की गई। आरोप है कि पोस्ट में राज्य सरकार और वरिष्ठ अधिकारियों की छवि को धुमिल करने वाली आपत्तिजनक सामग्री प्रकाशित की गई थी।

हालांकि, शनिवार देर रात एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में झालानी ने अपनी टिप्पणियों की भाषा पर खेद जताया। उन्होंने मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर माफी भी मांगी। झालानी ने दावा किया कि मुख्य सचिव ने उनकी माफी को गरिमा और उदारता के साथ स्वीकार किया। अपने मूल पोस्ट में पत्रकार ने प्रशासन की कार्यप्रणाली की तीखी आलोचना करते हुए आरोप लगाया था कि शासन व्यवस्था पक्षाघातग्रस्त हो चुकी है। उन्होंने मुख्य सचिव के नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनके पास फील्ड अनुभव की कमी है और प्रशासन प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पा रहा।

लेख में यह भी आरोप लगाया गया था कि प्रशासनिक फैसले फाइलों तक सीमित हैं और उनका जमीनी स्तर पर असर नहीं दिखता, जबकि शीर्ष नौकरशाही वास्तविक काम के बजाय छवि निर्माण पर अधिक ध्यान दे रही है। शनिवार देर रात की अपनी दूसरी पोस्ट में झालानी ने कहा कि वह टिप्पणी गुस्से और उत्तेजना के क्षण में लिखी गई थी। उन्होंने माना कि उसकी भाषा अनुचित थी और पत्रकारिता के मूल्यों के खिलाफ थी।

पत्रकार ने यह भी कहा कि आलोचना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन इससे किसी व्यक्ति की गरिमा को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। उन्होंने अपनी माफी को कानूनी प्रक्रिया से परे नैतिक समाधान बताया। मुख्य सचिव कार्यालय ने इससे पहले भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद राजस्थान सरकार के गृह विभाग ने जयपुर के अशोक नगर थाने में पत्रकार के खिलाफ मामला दर्ज करने के निर्देश जारी किए।

अधिकारियों के अनुसार, लेख भ्रामक और मानहानिपूर्ण पाया गया तथा सोशल मीडिया मंचों पर ऐसी कोशिशों को रोकने के लिए कानूनी कार्रवाई आवश्यक समझी गई। निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए जयपुर दक्षिण पुलिस ने आठ मई को भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबद्ध धाराओं में मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच मोतीलाल शर्मा को सौंपी गई है और जांच जारी है।

मदर्स डे पर जयपुर विमेन फेस्टिवल के पहले चैप्टर की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मदर्स डे के अवसर पर इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान (आईजीपीआरएस) और एक निजी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर में जयपुर विमेन फेस्टिवल के पहले चैप्टर का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को जागरूकता, संवाद एवं प्रेरणा का मंच प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नीरज के. पवन, महानिदेशक, आईजीपीआरएस ने कहा कि आज जयपुर विमेन फेस्टिवल का पहला अध्याय शुरू हुआ है। राज्य के सभी विभाग महिलाओं आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य आदि विभिन्न मुद्दों के लिए काम कर रहे है और राज्य सरकार महिलाओं के प्रत्येक स्तर पर विकास के लिए समर्पित है।

फेस्टिवल के दौरान महिला स्वास्थ्य एवं फाइनेंशियल एम्पावरमेंट विषयों पर विशेष पैनल डिस्कशन आयोजित किया गया। चर्चा में महिलाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, पोषण, मातृत्व, स्वास्थ्य जागरूकता, आर्थिक आत्मनिर्भरता, वित्तीय साक्षरता एवं सामाजिक व्यवहार परिवर्तन (डेलळरश्र इशहरींळेी उहरपसश) जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

विशेषज्ञों एवं वक्ताओं ने कहा कि आज महिलाओं का स्वास्थ्य और आर्थिक रूप से सशक्त होना दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के साथ-साथ वित्तीय निर्णयों में भी आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है। पैनल में महिलाओं के लिए जागरूकता, शिक्षा एवं सकारात्मक सामाजिक सोच को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर श्रीमती टी. शुभमंगलम, अतिरिक्त मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जयपुर, श्रीमती मंजिरी पंत, प्रतिनिधि यूनिसेफ, श्रीमती चन्द्रानी सेन, वाइस प्रिंसिपल महारानी कॉलेज सहित विभिन्न क्षेत्रों की गणमान्य हस्तियां उपस्थित रहीं।

मोदी की उपस्थिति में सोमनाथ से होगा मुख्य कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

जयपुर। सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम आक्रमण के 1000 वर्ष तथा मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कला एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार 11 मई, 2026 (सोमवार) को देशव्यापी स्तर पर 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाया जाएगा। देवस्थान विभाग के आयुक्त श्री लक्ष्मी नारायण मंत्री ने बताया कि सोमवार को प्रातः सोमनाथ मंदिर, गुजरात में माननीय प्रधानमंत्री जी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हो रहे राष्ट्रीय कार्यक्रम 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

आयुक्त देवस्थान विभाग श्री लक्ष्मी नारायण मंत्री ने बताया कि कला एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, राजस्थान सरकार तथा देवस्थान विभाग, राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में उक्तानुसार 11 मई को श्री झारखंड महादेव मंदिर, जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आयुक्त देवस्थान विभाग ने बताया कि श्री झारखंड महादेव मंदिर, जयपुर में 11 मई को प्रातः सांस्कृतिक प्रस्तुति का आयोजन होगा जिसमें शिव स्तुति एवं भजन गायन से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के का आगमन पर उनका स्वागत किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने फलसूण्ड में की जनसुनवाई एवं रात्रि चौपाल

देर रात तक खूब जमी रात्रि चौपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शनिवार को जैसलमेर के ग्राम पंचायत फलसूण्ड में आयोजित जनसुनवाई एवं रात्रि चौपाल में आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं नियमानुसार समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान ग्रामीणों ने केंद्रीय मंत्री का पुष्प वर्षा, माल्यार्पण एवं पारंपरिक स्वागत के साथ आत्मीय अभिनंदन किया। पूरे आयोजन में ग्रामीणों में उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

जनसुनवाई के दौरान केंद्रीय मंत्री ने एक-एक फरियादी की फरियाद को ध्यानपूर्वक सुना और प्राप्त परिवेदनाओं पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने आमजन को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। शेखावत ने बताया कि राजस्थान में जल जीवन मिशन (जेजेएम) जो पिछले कुछ समय से जांच और बजट की कमी के कारण काम ठप्प पड़ा था, उसे फिर से पुनर्जीवित कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार से जल जीवन मिशन को गति प्रदान करने के लिए राजस्थान के खाते में 4800 करोड़ रुपए स्वीकृत करा कर और ट्रांसफर करवा दिए है। इतने दिनों तक जांच के चलते ठेकेदारों का भुगतान रुका हुआ था और काम ठप्प थे, लेकिन अब पैसे की कोई कमी नहीं आएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मिशन को वर्ष 2028 तक बढ़ा दिया है और देश भर के लिए 1 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त बजट आवंटित किया गया है।

रात्रि चौपाल के दौरान शेखावत ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि इस भीषण गर्मी में हर हाल में पीने का पानी मिलें इसके लिए वे मिशन मोड के साथ ही सेवा भावना से कार्य करें अन्यथा उनको परिणाम भुगतना पड़ेगा। उन्होंने जिला कलक्टर को कहा कि वे टैंकरों से पेयजल परिवहन के लिए प्रभावी मॉनेटरिंग सुनिश्चित करें एवं यह देखें कि गरीब को सार्वजनिक टांकों में पीने का पानी अवश्य ही निःशुल्क मिलें। उन्होंने टैंकरों से पेयजल परिवहन का साप्ताहिक कलैण्डर जारी कर प्रकाशित करने पर जोर दिया ताकि लोगो को उनके गांवो एवं ढांणी में आने वाले टैंकरों की जानकारी रहे।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने विशेष रूप से वर्तमान मे जिले में पड़ रही भीषण गर्मी के मद्देनजर पेयजल एवं विद्युत व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को सजग रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में आमजन को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए तथा पेयजल आपूर्ति एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था बेहतर एवं सुचारू रूप से संचालित रहे, इसके लिए सभी अधिकारी पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिए कि पेयजल संकट अथवा बिजली कटौती जैसी समस्याओं में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उप्र मंत्रिमंडल विस्तार : छह नए मंत्रियों ने ली शपथ, दो राज्य मंत्रियों को स्वतंत्र प्रभार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार के तहत रविवार को छह नए मंत्रियों को शपथ दिलायी गई। साथ ही दो राज्य मंत्रियों को पदोन्नत करके स्वतंत्र प्रभार दिए गए।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने 'जन भवन' में आयोजित समारोह में इन मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। इनमें समाजवादी पार्टी (सपा) से बगावत करने वाले विधायक मनोज पांडेय और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी शामिल हैं। दोनों को ही कैबिनेट मंत्री पद की शपथ दिलायी गई है।

इसके अलावा हंसराज विश्वकर्मा, कैलाश राजपूत, कृष्णा पासवान और सुरेंद्र दिलेर को राज्य

मंत्री पद की शपथ दिलायी गई। इसके अलावा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री अजीत सिंह पाल और ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेंद्र तोमर को स्वतंत्र प्रभार के राज्य मंत्री पद की शपथ दिलायी गई।

योगी सरकार में मंत्री बनने वाले नए लोगों में मनोज पांडेय ब्राह्मण, भूपेंद्र चौधरी, हंसराज विश्वकर्मा और कैलाश राजपूत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) तथा कृष्णा पासवान और सुरेंद्र दिलेर दलित वर्ग से ताल्लुक रखते हैं। राज्य विधानसभा चुनाव से करीब आठ माह पहले किए गए इस मंत्रिमंडल विस्तार से पहले प्रदेश सरकार में कुल 54 मंत्री थे, जिनकी संख्या बढ़कर अब 60 हो गई है। मंत्रिमंडल का पहला विस्तार पिछले लोकसभा चुनाव से पहले पांच मार्च 2024 को हुआ था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार की शाम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात करके मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा की थी।

उत्तरप्रदेश मंत्रिमंडल विस्तार : 'पीडीए' की काट और जातीय समीकरण साधने की कोशिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी प्रमुख प्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी (सपा) के 'पीडीए' समीकरण की काट करने और अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अपने जातीय समीकरण मजबूत करने की कोशिश की है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने रविवार को 'जन भवन' में आयोजित समारोह में छह नए समेत कुल आठ मंत्रियों को शपथ दिलाई।

इनमें मनोज पांडेय ब्राह्मण समुदाय से हैं, जबकि भूपेंद्र चौधरी, हंसराज विश्वकर्मा, सोमेंद्र तोमर, अजीत सिंह पाल और कैलाश राजपूत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से आते हैं। वहीं, कृष्णा पासवान और सुरेंद्र दिलेर दलित समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। गैर-यादव पिछड़ों में जाट, गुर्जर, लोध, गड़रिया और विश्वकर्मा जातियों का खासा प्रभाव माना जाता है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो मंत्रिमंडल के इस विस्तार में सपा के 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले की काट स्पष्ट रूप से नजर आती है। सपा पिछले कुछ समय से 'पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक' समीकरण को केंद्र में रखकर राजनीति कर रही है। सपा ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में इसी नारे के सहारे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 सीटें जीती थीं। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक भाजपा ने इस मंत्रिमंडल विस्तार में 'पीडीए' की तर्ज पर सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश की है, लेकिन उसके समीकरण में 'अल्पसंख्यक' की जगह 'अगड़ी जाति', विशेष रूप से ब्राह्मण समुदाय को महत्व दिया गया है।

विश्लेषकों के अनुसार, इस वर्ष की शुरुआत में माघ मेले में स्नान व्यवस्था को लेकर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और प्रशासन के बीच विवाद तथा बरेली के उपजिलाधिकारी अलंकार अग्निहोत्री द्वारा ब्राह्मणों के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए इस्तीफा देने के बाद सरकार के खिलाफ जो माहौल बना था, उसकी भरपाई के लिए ब्राह्मण नेता और सपा से निष्कासित विधायक मनोज पांडेय को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। पांडेय का ब्राह्मण समाज में अच्छा प्रभाव माना जाता है।

मंत्रिमंडल में शामिल कृष्णा पासवान फतेहपुर जिले की खागा सीट से विधायक हैं, जबकि सुरेंद्र दिलेर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले की खैर सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। मनोज पांडेय रायबरेली जिले की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं। विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा वाराणसी से भाजपा के जिलाध्यक्ष हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी को भी मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व मिला है। राजनीतिक प्रेक्षकों के अनुसार, सपा प्रमुख अखिलेश यादव के संसदीय क्षेत्र कन्नौज के अंतर्गत आने वाली तिर्वा सीट से भाजपा विधायक कैलाश राजपूत को मंत्री बनाकर पार्टी ने लोध बिरादरी में अपनी पकड़ मजबूत करने और क्षेत्रीय समीकरण साधने की कोशिश की है। सरकार ने राज्य मंत्री अजीत सिंह पाल को स्वतंत्र प्रभार देकर अति पिछड़ी गड़रिया जाति में भी अपने समीकरण मजबूत करने का प्रयास किया है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल भी इसी बिरादरी से आते हैं और पार्टी में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति की बात करें तो पिछली बार गुर्जर समाज से आने वाले सोमेंद्र तोमर को केवल राज्य मंत्री बनाया गया था, जबकि उनसे पहले गुर्जर समाज के ही अशोक कटारिया स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री थे। इसे लेकर गुर्जर समाज में कुछ असंतोष की चर्चा थी। इसके अलावा, लोनी के विधायक नंद किशोर गुर्जर पिछले तीन वर्षों से विभिन्न मुद्दों पर अपनी ही सरकार और प्रशासनिक तंत्र को घेरते रहे हैं।

बिहार: कैमूर जिले में दो सूटकेस से क्षत-विक्षत शव के अंग बरामद

भभुआ/भाषा। बिहार के कैमूर जिले में दुर्गावती नदी के किनारे दो सूटकेस के अंदर से शव के क्षत-विक्षत अंग मिले हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ये सूटकेस जिले के मोहनिया और रामगढ़ थाना क्षेत्रों के बीच स्थित एक पुल के नीचे मिले। कैमूर के पुलिस अधीक्षक हरि मोहन शुक्ला ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पुल के नीचे शव के अंग मिले हैं। शुक्ला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमें ग्रामीणों से सूचना मिली थी कि यहां दुर्गावती नदी पर बने एक पुल के नीचे शव के क्षत-विक्षत अंग मिले हैं। पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद किया।

बिहार रेलवे स्टेशन से 21 बच्चों को बचाया गया, संदिग्ध तस्कर गिरफ्तार

पटना/भाषा। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के एक रेलवे स्टेशन से रविवार को 21 बच्चों को बचाया गया और एक संदिग्ध तस्कर को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि आरपीएफ ने एक गैर सरकारी संगठन की मदद से बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन से बच्चों को बचाया। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि बचाए गए बच्चों को चिकित्सकीय जांच के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा, मानव तस्करी के पीछे के मकसद की जांच जारी है। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के बहाने एक गैर-लाइसेंस प्राप्त छात्रावास में रखा गया था।

अश्विन ने सूर्यवंशी के बारे में कहा, भारत के लिए तीनों प्रारूप में खेलते देखना चाहूंगा

जयपुर/भाषा। भारत के महान स्पिनर रविचंद्रन अश्विन चाहते हैं कि युवा तूफानी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी राष्ट्रीय टीम के लिए तीनों प्रारूप में खेलें। राजस्थान रॉयल्स के लिए पारी का आगाज करते हुए सूर्यवंशी ने एक निडर खिलाड़ी के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। वह मौजूदा आईपीएल सत्र में बेहतरीन गेंदबाजों का भी बड़ी आसानी से सामना कर रहे हैं।

अश्विन ने कहा, ''वह हर गेंदबाज की धुनाई कर रहा है। मुझे उसे टेस्ट मैच में खेलते देखने में कोई दिक्कत नहीं होगी और मुझे उसे खेल के तीनों प्रारूप में खेलते हुए देखने में भी कोई समस्या नहीं होगी। उसे क्रिकेट के मैदान पर उतारो, लोगों को मैच देखने के लिए बुलाओ क्योंकि वह आपका भरपूर मनोरंजन करेगा। उन्होंने कहा, ''वह कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। वह क्रिकेट की गेंद पर अपनी पूरी ताकत लगा रहा है। जिस तरह से वह अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में खेला था उसे देखकर लगता है कि वह एक 'बॉक्स-ऑफिस' खिलाड़ी है। अश्विन ने कहा, ''आपके क्रिकेट करियर में ऐसे बहुत कम मौके आते हैं जब आप अपने क्रिकेट का पूरी तरह से आनंद ले पाते हैं और वह अभी सिर्फ 15 साल का है। मुझे लगता है कि हमें उसे बस अपने मन की करने देना चाहिए।

बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आने के आसार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई सरकार बनने के बाद केंद्र-राज्य संबंधों में सुधार होने की संभावना है, और 'डबल इंजन सरकार' के ढांचे के तहत कई रुकी हुई केंद्रीय योजनाओं को फिर से गति मिलने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

केंद्र सरकार के सूत्रों के अनुसार, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य सेवा, पेयजल और रोजगार सृजन जैसे क्षेत्रों में रुकी हुई परियोजनाओं को फिर से शुरू करने और लंबित धनराशि जारी करने की प्रक्रिया आने वाले महीनों में गति पकड़ सकती है।

एक अधिकारी ने बताया कि विचाराधीन प्रमुख योजनाओं में 'जल जीवन मिशन' भी शामिल है, जिसके तहत केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों और राज्य सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के बीच हाल ही में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान राज्य को देय लगभग 2,700

करोड़ रुपए के लंबित बकाया की समीक्षा की गई। राज्य सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के सचिव और राज्य लोक निर्माण विभाग के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया, जहां परियोजना कार्यान्वयन, निधि आवंटन और बकाया भुगतान से संबंधित विवरणों पर चर्चा की गई। राज्य के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''केंद्र और राज्य के बीच एक व्यापक सहमति बन गई है। औपचारिक तौर-तरीकों पर काम किया जा रहा है, और हमें उम्मीद है कि कई लंबित मुद्दों पर जल्द ही प्रगति होगी। अधिकारियों ने बताया कि 'जल जीवन मिशन' के अलावा, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में केंद्र प्रायोजित कई योजनाओं से जुड़ी धनराशि जारी करने की तैयारी भी चल रही है। केंद्र सरकार के सूत्रों का कहना है कि पिछली सरकार और केंद्र के बीच राजनीतिक मतभेद और प्रशासनिक अविश्वास के कारण पिछले कुछ वर्षों में कई कल्याणकारी परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी हुई है। राज्य सरकार के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''सरकार बदलने के साथ ही विश्वास की कमी काफी हद तक कम हो गई है। इससे प्रशासनिक समन्वय में आसानी होगी और कार्यान्वयन में तेजी आने की उम्मीद है। पश्चिम बंगाल में लंबे समय से लागू नहीं की गई 'आयुष्मान भारत' स्वास्थ्य बीमा योजना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और राज्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कार्यान्वयन दिशानिर्देशों, वित्त पोषण के तरीकों और परिचालन तंत्रों पर प्रारंभिक चर्चा पहले ही कर ली है। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''अब तक की चर्चाएं रचनात्मक रही हैं। यदि योजना के अनुसार सब कुछ ठीक रहा, तो अगले कुछ महीनों में कार्यान्वयन प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

चंदौली में चलती ट्रेन में युवक की गोली मारकर हत्या, शव पटरी पर फेंका

चंदौली/भाषा। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में रविवार सुबह चलती ट्रेन में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई और आरोपी शव को ट्रेन से नीचे फेंककर फरार हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

सकलडीहा के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) कृष्ण मुरारी शर्मा ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय (पीडीडीयू) नगर स्टेशन से सुबह 6:30 बजे ताड़ीघाट पैसेंजर ट्रेन रवाना हुई थी। युवक भी पीडीडीयू नगर से इसी ट्रेन में चढ़ा था और बोगी के दरवाजे पर बैठा था। डिब्बे में करीब 15-16 यात्री सवार थे। सीओ के अनुसार, ट्रेन जब सुबह 7:30 बजे अलीनगर थाना क्षेत्र के कचुमन रेलवे स्टेशन पहुंची तो एक संदिग्ध व्यक्ति डिब्बे में सवार हुआ। ट्रेन चलने पर उसने युवक के सिर में गोली मार दी।

आगे क्रॉसिंग पर ट्रेन रुकते ही आरोपी शव को पटरी पर फेंक कर भाग निकला। इस घटना की सूचना डिब्बे में सवार एक यात्री ने डायल-112 और रेलवे को दी। सूचना पर सीओ, राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के सीओ और पुलिस बल मौके पर पहुंचे। मृतक की उम्र करीब 30 वर्ष है और वह टीशर्ट और जींस पहने हुए था। शिनाख्त की कोशिश की जा रही है।

असम के राज्यपाल ने हिमंत को सरकार गठन के लिए आमंत्रित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने निर्वाचित मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को राज्य में अगली सरकार बनाने का रविवार को निमंत्रण दिया। एक बयान में यह जानकारी दी गई है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं ने लोक भवन में आचार्य से मुलाकात की और शर्मा के नेतृत्व में सरकार गठन का दावा पेश किया।

लोक भवन ने बयान में कहा, राज्यपाल ने डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को असम में नई सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया है। बयान में यह भी कहा गया है कि आचार्य शर्मा को मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के सदस्यों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को आयोजित किए जाने की योजना है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हो सकते हैं। असम में राजग की यह लगातार तीसरी सरकार होगी। भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने पहली बार 2016 में सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में सरकार बनाई थी। पहली दफा 2021 में मुख्यमंत्री बने शर्मा लगातार दूसरी बार इस पद पर आसीन होने वाले राज्य के पहले गैर-कांग्रेसी नेता होंगे। हालिया विधानसभा चुनाव में राजग ने 126 सदस्यीय विधानसभा में रिकॉर्ड 102 सीट जीतकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। भाजपा ने 82 सीट जीतीं, जबकि सहयोगी दल असम गण परिषद (एजीपी) और (बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट) ने 10-10 सीट पर जीत हासिल की।

आईआईटी भुवनेश्वर के पीएचडी छात्र की छात्रावास की इमारत से गिरने के बाद मौत

भुवनेश्वर/भाषा। आईआईटी भुवनेश्वर में पीएचडी कर रहे एक छात्र की परिसर में स्थित छात्रावास की इमारत की छठी मंजिल से कथित तौर पर गिरने के बाद मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान तनिकोंडा निशांत कुमार के रूप में हुई है जो विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में शोधार्थी था और आंध्र प्रदेश का मूल निवासी था। आधिकारिक बयान के अनुसार यह घटना शनिवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे हुई जब कुमार ब्रह्मपुत्र छात्रावास के ए ब्लॉक में छठी मंजिल पर स्थित अपने कमरे की बालकनी के ठीक नीचे अचेत अवस्था में पड़ा मिला।

ड्यूटी पर तैनात एक सुरक्षाकर्मी ने छात्र को देखा और उसे परिसर स्थित संजीवन अस्पताल पहुंचाया जहां उसे प्राथमिक आपात चिकित्सा दी गई। बयान में कहा गया कि ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक की सलाह पर बाद में कुमार को संस्थान की एम्बुलेंस से उन्नत उपचार के लिए एक निजी अस्पताल ले जाया गया। बयान के अनुसार, अस्पताल पहुंचने पर वहां की मेडिकल टीम ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। संस्थान ने सूचना पुलिस को दे दी है जो घटना की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु का गृहनगर में जोरदार स्वागत, कहा 'भरोसा कायम हुआ'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को कहा कि राज्य में व्याप्त भय का माहौल समाप्त हो गया और लोगों में भरोसा कायम हुआ। मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने के एक दिन बाद शुभेंदु अपने गृह नगर पूर्वी मेदिनीपुर जिले के कांथी पहुंचे थे, जहां समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया था।

शुभेंदु ने कोलकाता के लिए रवाना होते समय ये बातें कहीं। उन्होंने कोलकाता रवाना होने से पहले पत्रकारों से कहा, भय का माहौल समाप्त हुआ, भरोसा कायम हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने आश्वासन दिया है। पश्चिम बंगाल आशा और विश्वास के माहौल में सभी हितधारकों की भागीदारी से प्रगति करेगा। शनिवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथ लेने और पूरे दिन सरकारी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद अधिकारी देर रात कालीघाट काली मंदिर में पूजा-अर्चना कर कांथी के लिए रवाना हुए। उनका काफिला देर रात करीब दो बजे कांथी स्थित उनके आवास 'शांतिकुंज' पहुंचा लेकिन देर रात होने के बावजूद शाम से ही इलाके में समर्थकों का जनसैलाब उमड़ा हुआ था। जैसे ही उनका वाहन इलाके में पहुंचा समर्थकों ने उनके स्वागत में नारे बुलंद किए और उन पर फूलों की बारिश की। भारी भीड़ के कारण काफिले की रफ्तार धीमी हो गई, जिसके बाद अधिकारी वाहन से बाहर आए और समर्थकों का अभिवादन स्वीकार किया।

इस स्वागत से भावुक दिखे मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर लोगों से घर लौटने की अपील करते हुए कहा, ''अब बहुत देर हो चुकी है, कृपया अपने घर लौट जाएं। पूरा माहौल किसी उत्सव जैसा नजर आ रहा था। स्थानीय लोग अपने ''माटी के बेटे'' के राज्य के सर्वोच्च पद तक पहुंचने का जश्न मना रहे थे। घर पहुंचने के बाद अधिकारी ने अपने माता-पिता का आशीर्वाद भी लिया। उनके पिता शिशिर अधिकारी और मां गायत्री अधिकारी देर रात तक उनके स्वागत के लिए जागते रहे।

नौ साल में कुछ नहीं हुआ तो नौ महीने में क्या करेंगे नए मंत्री : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को होने जा रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार पर तंज कसते हुए कहा कि जब सरकार नौ साल में कुछ नहीं कर सकी, तो नए मंत्री नौ महीनों में क्या कर लेंगे।

मंत्रिमंडल विस्तार से पहले सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर सवाल किया, ''मंत्रिमंडल में केवल छह रिक्तियां हैं, इससे ज्यादा तो दूसरे दल से पाला बदल कर आए लोग हैं, क्या उन सभी को मंत्री पद से नवाज़ा जाएगा?''

यादव ने कहा, एक समाज के कई विधायकों में से किसी एक को चुना जाएगा तो चुनने का आधार क्या होगा?, ऋअगर ऐसा हुआ तो

बाकी दल-बदलुओं का क्या होगा?, ऋउनकी उपेक्षा व अपमान को क्या कुछ ले-देकर शांत करा जाएगा? ऋया उन्हें भी ये अहसास करा दिया जाएगा कि भाजपा किसी की सगी नहीं है?'' उन्होंने कहा, ''बाकी छूटे हुए लोग क्या अपने को ठगा सा महसूस नहीं करेंगे? और वे अपने चुनाव क्षेत्र में मुंह दिखाने लायक बचेंगे क्या? इसके अतिरिक्त प्रश्न ये भी है कि उनके अपने दल के जो लोग मंत्री बनने के इंतजार में सूखकर कांटा हो गए हैं, उन बेचारों का क्या होगा?''

यादव ने यह भी कहा, ''जिन वर्तमान मंत्रियों के विभाग कम किए जाएंगे तो क्या इससे जनता के बीच ये संदेश नहीं जाएगा कि वो नाकाम रहे, इसलिए उनसे मंत्रालय छीन लिया गया है? ऋऐसे मंत्री तो बिना लड़े ही क्या अपना चुनाव हार नहीं जाएंगे?''

सपा प्रमुख ने कहा, ''ऋसाथी दलों को प्रतीक्षा के स्थान पर और कुछ मिलेगा या फिर उनको ये कहकर उपेक्षित कर दिया जाएगा तुम थे जिनके सहारे, वो हुए न तुम्हारे... वो तो ठग हैं पुराने... तुम ये सच न जाने।

सपा अध्यक्ष ने सवाल किया कि जनता यह भी पूछ रही है कि आखिरी नौ महीनों में ये मंत्री क्या कर लेंगे, जब नौ वर्षों में सरकार कुछ नहीं कर सकी।

यादव ने कहा, ये भी वही करेंगे जो भाजपा सरकार करती आई है- भ्रष्टाचार और अत्याचार। पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) पर वार-ही-वार। महंगाई और बेरोजगारी की मार। ये जीना दुश्वार कर देंगे।

उर्विल की आतिशी पारी से सीसके ने एलएसजी को हरा मजबूत की प्लेऑफ की उम्मीदें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को पांच विकेट से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया।

उर्विल पटेल ने 13 गेंद में अर्धशतक पूरा कर भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने 23 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों की मदद से 65 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। जोश इंग्लिस की 33 गेंद में 85 रन की आक्रामक पारी के बावजूद सुपरकिंग्स ने जैमी ओवरटन की शानदार गेंदबाजी के बूते सुपरजायंट्स को आठ विकेट पर 203 रन पर रोकने के बाद 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 208 रन बनाकर जीत दर्ज की। टीम 11 मैचों में छठी जीत के बाद 12 अंक के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि अंतिम पायदान पर काबिज सुपरजायंट्स की आठवीं हार के बाद प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। उर्विल के अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 28 गेंद में 42 रन का योगदान दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 34 गेंद में 81 रन जोड़े। गायकवाड़ ने इससे पहले संजू सैमसन (14 गेंद में 28 रन) के साथ 22 गेंद में 45 रन की साझेदारी कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। शिवम दुबे (नाबाद 15) ने एडेन मारक्रम के खिलाफ अंतिम ओवर में लगातार दो छक्के जड़े, जिससे सुपरकिंग्स ने 2018 के बाद पहली बार 200 से अधिक का लक्ष्य हासिल किया। प्रशांत वीर 17 रन पर नाबाद रहे। इंग्लिस ने अपनी पारी में छह छक्के और 10 चौके जड़कर सुपरजायंट्स का स्कोर नौवें ओवर के बाद 112 रन तक पहुंचा दिया था। ओवरटन की अगुवाई में गेंदबाजों ने 10वें से 15वें ओवर के बीच 35 रन के

अंदर चार विकेट झटककर रनगति पर अंकुश लगा दिया। ओवरटन ने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट लिए, जिसमें इंग्लिस का विकेट भी शामिल था। नूर अहमद ने चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि अंशुल कंबोज को दो विकेट मिले लेकिन उन्होंने 47 रन खर्च किए। आखिरी ओवरों में शाहबाज अहमद (नाबाद 43) और हिम्मत सिंह (17) ने सातवें विकेट के लिए 32 गेंद में 50 रन की साझेदारी कर बीच के ओवरों के नुकसान की भरपाई की। शाहबाज ने 25 गेंद की नाबाद पारी में तीन चौके और इतने ही छक्के लगाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सैमसन और गायकवाड़ ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। सैमसन कुछ आकर्षक शॉट खेलने के बाद चौथे ओवर में राठी की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद उर्विल पटेल ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पावरप्ले में ही मैच का रुख पलट दिया। आवेश खान के खिलाफ लगातार तीन छक्के जड़ने के बाद राठी तीन छक्के और चौका लगाकर पावरप्ले में सुपरकिंग्स के स्कोर को एक विकेट पर 97 रन तक पहुंचा दिया। उन्होंने आक्रामक तेवर जारी रखते हुए शमी के खिलाफ छक्का लगाने के बाद एक रन साथ 13 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा कर अपनी इस उपलब्धि को अपने पिता को समर्पित किया। उन्होंने जेब से एक कागज निकाला, जिस पर लिखा था, यह आपके लिए है पापा।'' राठी ने आसान कैच टपकाकर उन्हें जीवनदान दिया लेकिन वह इसका फायदा उठाने में नाकाम रहे। उन्होंने आवेश खान की गेंद पर कैच देकर विकेट गंवा दिया। सुपरजायंट्स के गेंदबाजों ने इसके बाद रनगति पर अंकुश लगाना शुरू किया और शाहबाज ने गायकवाड़ को बोल्ड कर बड़ी सफलता हासिल की। कार्तिक शर्मा (20) और डेवाल्ड ब्रेविस (10) सहज नजर नहीं आए।

सुविचार

कदर करनी है तो जीते जी करो, चेहरे से कफन उठाते वक्त तो, दुश्मन भी रो पड़ता है और अपने भी आंसू बहाते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चीन फिर हुआ बेनकाब

चीन द्वारा पहली बार की गई इस बात की पुष्टि कि उसने पिछले साल भारत-पाक संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को रण क्षेत्र में तकनीकी सहायता प्रदान की थी, भारत के खिलाफ दुश्मनी की खुली घोषणा है। चीन के आधिकारिक मीडिया पर यह खबर यूं ही नहीं आई है। इसके पीछे चीनी सरकार की खास रणनीति है। वह एक ओर तो पाकिस्तान को यह संदेश देना चाहती है कि उसे अकेला नहीं छोड़ेगी, दूसरी ओर भारत से यह कहना चाहती है कि बीजिंग अप्रत्यक्ष रूप से दिल्ली के खिलाफ लड़ाई में भागीदार है। पाकिस्तान चीनी तकनीक के दम पर कितनी ही डींगें हांक ले, दुनिया देख चुकी है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय मिसाइलें अजेय साबित हुईं। चीनी तकनीक न तो आतंकवादियों को बचा सकी, न पाकिस्तान एवं पीओके में हुई भारी तबाही को रोक सकी। वह पाकिस्तान को समय रहते अलर्ट भेजने में भी नाकाम साबित हुई। अगर चीनी तकनीक में दम होता तो वह पाकिस्तानी आतंकवादियों के लिए कवच का काम करती। दुनिया जानती है कि भारतीय मिसाइलों ने आतंकवादियों का पूरी गर्जना के साथ संहार किया था। वास्तव में चीनी मीडिया द्वारा दी गई जानकारी इस बात की पुष्टि करती है कि भारतीय मिसाइलों, ड्रोनों और एयर डिफेंस सिस्टम के आगे चीनी तकनीक टिक ही नहीं सकी। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के साथ चीन को शिकस्त दी थी। यही नहीं, कई रिपोर्टों में तुर्किये द्वारा पाकिस्तान का साथ दिए जाने की पुष्टि की गई थी। इस तरह पाक-चीन के साथ तुर्किये की तकनीक भी भारतीय मिसाइलों के सामने बेदम साबित हुई थी।

चीन चाहता है कि वह अपनी तकनीक के संबंध में दावा कर अपने हथियारों के लिए नया बाजार खोजे। अगर कोई देश इन दावों पर विश्वास कर खरीदारी करेगा तो उसे याद रखना चाहिए कि उसका हश्र भी वैसा ही होगा, जैसा एक साल पहले चीनी हथियारों का हुआ था। चीन द्वारा विकसित की गई तकनीक उस खिलौने की तरह है, जो मेले में अपने आकर्षण के कारण खरीदा तो जाता है, लेकिन वह घर पहुंचते-पहुंचते खराब हो जाता है। उसके बाद किसी काम का नहीं रहता है। चीन की इस स्वीकारोक्ति के बाद भारतवासियों को एक बात अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए। पाकिस्तानी आतंकवाद के पीछे चीन खड़ा है। चीनी संसाधनों का इस्तेमाल हमारे सैनिकों और नागरिकों का लहू बहाने के लिए किया जा रहा है। चीन का पूरी तरह बहिष्कार होना चाहिए। उसका माल नहीं खरीदना चाहिए। चीन बेशक सस्ती चीजें बनाता है, लेकिन उनकी असल कीमत क्या है? हमारे देशवासियों की जान! क्या यह हकीकत खुलकर सामने आने के बाद भी हमें चीनी माल खरीदने के लिए लालायित रहना चाहिए? चीन वर्षों से पाकिस्तान के लिए ढाल बनकर खड़ा है। चीनी मदद के बिना पाकिस्तान इतनी लंबी अवधि तक आतंकवाद का खेल नहीं खेल सकता था। वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसका बचाव करता रहा है। इस समय भारत सरकार को चाहिए कि वह स्वदेशी उद्योग-धंधों को तेजी से बढ़ावा दे। हमारे बाजारों में चीनी माल नहीं, बल्कि वह माल बिकना चाहिए जिसमें भारतीय श्रमिकों का पसीना लगा हो। चीन अपने खजाने के जरिए आतंकवाद फैला रहा है। हमें उसके खजाने को चोट पहुंचानी होगी। दुश्मन से युद्ध लड़ना सिर्फ हमारे सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं है। यह सबकी जिम्मेदारी है। हर नागरिक को भारत मां का सैनिक बनना होगा। हर युद्ध सरहद पर नहीं लड़ा जाता। कुछ युद्ध बाजारों में खामोशी से लड़े जाते हैं। हमें अपने बाजारों को मजबूत बनाना होगा। चीनी माल इतनी दूर से भारतीय बाजारों में आ जाता है, वह छा जाता है। क्या हम अपने बाजारों में उससे बेहतर माल पेश नहीं कर सकते? अगर आतंकवाद का और ज्यादा दृढ़ता से मुकाबला करना है, उसे परास्त करना है तो 'स्वदेशी' को अपनाना ही होगा।

ट्वीटर टॉक

1857 के स्वतंत्रता संग्राम की वर्षगांठ पर, भारत की धरती की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले ऋषियों को दिल से नमन।इइस आंदोलन ने विदेशी शासन के खिलाफ पूरे देश में स्वतंत्रता की चेतना की ज्योति जलाई।

-ओम बिरला

राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे ग्राम विकास रथ अभियान के तहत जैतारण विधानसभा क्षेत्र में आयोजित रात्रि चौपाल में भाग लिया, ग्रामीणों से दिल से बातचीत की विभिन्न जनकल्याण योजनाओं, विकास कार्यों और इनोवेशन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

-दिया कुमारी

नई दिल्ली दौरे के दौरान, मेरी माननीय केंद्रीय बिजली, आवास और शहरी मामलों के मंत्री से अच्छी मुलाकात हुई। इस मौके पर राजस्थान के विकास, एनर्जी सेक्टर में आत्मनिर्भरता, ग्रीन एनर्जी और शहरी मजबूती से जुड़े अलग-अलग जनहित के विषयों पर अच्छी चर्चा हुई।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

आहत मन से प्रेरणा

साधारण परिवार में जन्मे विष्णुगुप्त का रूप-रंग आकर्षक नहीं था, काले, दुबले और तीखे नैन-नक्श वाले। एक दिन वे अपने पिता के साथ किसी यज्ञ में गए। वहां उपस्थित कुछ लोगों ने उनके रूप का उपहास उड़ाना शुरू कर दिया। बालक विष्णुगुप्त के लिए यह अपमान सहना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने उस समय कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। घर लौटने के बाद उन्होंने अपने पिता से पूछा'क्या मनुष्य का मूल्य उसके रूप से तय होता है?' पिता ने शांत स्वर में उत्तर दिया 'नहीं पुत्र, मनुष्य का असली मूल्य उसके ज्ञान, बुद्धि और कर्म से होता है। लेकिन यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम खुद को इन सीमाओं में कैद न करें।' उन्होंने उसी दिन निश्चय किया कि वे इतना ज्ञान अर्जित करेंगे कि संसार उनके रूप को नहीं, बल्कि उनकी बुद्धि और विचारों को पहचानेगा। समय बीता और वही उपेक्षित बालक आगे चलकर चाणक्य के नाम से प्रसिद्ध हुआएक ऐसा गुरु जिसने न केवल चन्द्रगुप्त मौर्य जैसे महान सम्राट को गढ़ा, बल्कि अपने नीतिशास्त्र से पूरे राष्ट्र की दिशा बदल दी।

सामयिक

सोमनाथ के 1000 वर्ष

सोमनाथ : आस्था, संकल्प और पुनर्जागरण की अनंत धारा

गजेन्द्र सिंह शेखावत

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार

न हन्यते हन्यमाने शरीरे
(शरीर के नष्ट होने पर भी आत्मा नष्ट नहीं होती।)

– भगवद्गीता 2.20

श्रीमद्भगवद्गीता के इस श्लोक में निहित भाव और भारतीय सभ्यता की सनातन चेतना का सबसे जीवंत स्वरूप गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र के दक्षिणी तट पर स्थित सोमनाथ मंदिर में दिखाई देता है। बारह ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माने जाने वाले सोमनाथ ने इतिहास में अनेक आक्रमणों और विनाश को सहा, लेकिन हर बार फिर खड़ा हुआ और उसकी आरती, घंटियों और श्रद्धा की ध्वनि कभी थमी नहीं।

भारतीय इतिहास के हजारों वर्षों में सनातन धर्म ने कई तरह की चुनौतियों का सामना किया। राजनीतिक परिवर्तन, आक्रमण और सत्ता परिवर्तन के दौर में मंदिरों, मठों और ज्ञान केंद्रों को नुकसान पहुंचाया गया, उनकी संरचनाएं बदली गईं और उन्हें संरक्षण देने वाली व्यवस्थाएं भी प्रभावित हुईं। इसके बावजूद भारतीय आध्यात्मिक परंपरा न केवल जीवित रही, बल्कि समय के साथ स्वयं को पुनर्स्थापित भी करती रही। इसकी सबसे बड़ी शक्ति यही रही कि संस्थागत क्षति और राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद इसकी आत्मा कभी समाप्त नहीं हुई।

प्राचीन और मध्यकालीन भारत में मंदिर केवल पूजा के स्थल नहीं थे, बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन के भी केंद्र थे। राजसत्ता से उनके गहरे संबंध के कारण वे युद्ध और संघर्ष के समय सबसे पहले निशाने पर आए। महमूद गजनवी द्वारा सोमनाथ पर किया गया आक्रमण इतिहास की सबसे चर्चित घटनाओं में से एक है। फारसी ग्रंथों में इसे विजय के रूप में प्रस्तुत किया गया, जबकि भारतीय परंपरा में इसे पीड़ा, संघर्ष और पुनर्निर्माण की कथा के रूप में याद किया गया। लेकिन ऐतिहासिक सत्य यह है कि सोमनाथ कभी श्रद्धा से विलुप्त नहीं हुआ। चालुक्य शासकों सहित अनेक राजाओं ने इसका पुनर्निर्माण कराया और यह निरंतर आस्था का केंद्र बना रहा। ऐसी अनेक घटनाएं भारत के अन्य हिस्सों में भी देखने को मिलती हैं।

सोमनाथ का इतिहास केवल एक आक्रमण की कहानी नहीं है। प्राचीन काल से ही प्रभास पाटन एक महान तीर्थभूमि रहा है। इसे विभिन्न ग्रंथों और परंपराओं में प्रभास-पट्टन, शिव-पट्टन और प्रभास-तीर्थ जैसे नामों से जाना गया।

यहां तीन पवित्र नदियों का संगम होता है और यही वह स्थान माना जाता है जहां भगवान श्रीकृष्ण के देहत्याग के बाद उनका अंतिम संस्कार हुआ। निकट ही वैराग्य क्षेत्र और गोपी तालाब स्थित हैं, जहां से गोपी चंदन प्राप्त होता है। इस संपूर्ण क्षेत्र की यात्रा को भारतीय तीर्थ परंपरा में अत्यंत पवित्र माना गया है। काठियावाड़ और गुजरात की प्राचीन धरोहरों पर आधारित कई ऐतिहासिक अभिलेखों और पुरातात्विक रिपोर्टों में भी इस क्षेत्र का उल्लेख मिलता है।

सोमनाथ भारत की समावेशी सांस्कृतिक परंपरा का भी प्रतीक है। यह शैव और वैष्णव परंपराओं के अद्भुत संगम का केंद्र है और हमें यह याद दिलाता है कि भारतीय संस्कृति हमेशा से बहुलतावादी और समावेशी रही है। स्वतंत्र भारत में सोमनाथ के पुनर्जागरण का आधुनिक अध्याय 12 नवंबर 1947, दीपावली के दिन आरंभ हुआ, जब देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस पवित्र स्थल का दौरा किया। विभाजन की पीड़ा के बीच सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया। यह केवल एक मंदिर के पुनर्निर्माण का निर्णय नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय चेतना को पुनर्जीवित करने का एक ऐतिहासिक प्रयास था। इसके बाद सोमनाथ को एक सांस्कृतिक और बौद्धिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य प्रारंभ हुआ।

11 मई 1951 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में प्रातःकाल संपन्न हुई प्राण-प्रतिष्ठा ने पूरे राष्ट्र की सांस्कृतिक स्मृति और आत्मविश्वास को नई शक्ति प्रदान की।

आज जब भारत 'भारत2047' की ओर बढ़ रहा है, तब सोमनाथ से जुड़े ये सभ्यतागत मूल्य और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। तकनीकी बदलाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में भारत दुनिया को यह संदेश देता है कि विकास का अर्थ करुणा को त्यागना नहीं है और शक्ति का अर्थ संयम को छोड़ देना नहीं है। सोमनाथ हमें सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व केवल सामर्थ्य से नहीं, बल्कि स्मृति, विवेक और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता से निर्मित होता है।

आज जब भारत 'भारत2047' की ओर बढ़ रहा है, तब सोमनाथ से जुड़े ये सभ्यतागत मूल्य और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। तकनीकी बदलाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में भारत दुनिया को यह संदेश देता है कि विकास का अर्थ करुणा को त्यागना नहीं है और शक्ति का अर्थ संयम को छोड़ देना नहीं है। सोमनाथ हमें सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व केवल सामर्थ्य से नहीं, बल्कि स्मृति, विवेक और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता से निर्मित होता है। इसी ष्टि से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 2026-27 की परिकल्पना की गई है।

इसी दृष्टि से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 2026-27 की परिकल्पना की गई है। यह वर्षभर चलने वाला राष्ट्रीय आयोजन सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की आध्यात्मिक शक्ति, सांस्कृतिक निरंतरता और सभ्यतागत चेतना को समर्पित है। सदियों तक अनेक बार विध्वंस झेलने के बाद भी जिस प्रकार समाज के सामूहिक संकल्प से सोमनाथ पुनः स्थापित होता रहा, वह भारत की सांस्कृतिक आत्मशक्ति और राष्ट्रीय स्वाभिमान का जीवंत उदाहरण है।

8 से 11 जनवरी 2026 के बीच प्रारंभ हुए इस पर्व के माध्यम से दो महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पड़ावों को स्मरण किया जा रहा है। ई. 1026 में सोमनाथ पर हुए प्रथम दर्ज आक्रमण के एक हजार वर्ष और स्वतंत्रता के बाद 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के पुनः उद्घाटन के 75 वर्ष।

इस आयोजन का उद्देश्य सोमनाथ को राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक चेतना और सामूहिक स्मृति के प्रतीक के रूप में स्थापित करना है। 11 मई 2026 को आयोजित होने वाले प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम तक देशभर में यात्राएं, सांस्कृतिक आयोजन, संवाद, शैक्षिक कार्यक्रम और विभिन्न ज्योतिर्लिंगों, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, जिलों और शिवालयों में समन्वित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, जो श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं, सोमनाथ ने एक नए पुनर्जागरण का दौर देखा है। प्रशासनिक सुधार, आधारभूत संरचना का विकास, धरोहर संरक्षण और सांस्कृतिक पहलों ने सोमनाथ को एक जीवंत आध्यात्मिक केंद्र के रूप में और अधिक सशक्त किया है। पर्यावरणीय संतुलन और महिला-सशक्तिकरण आधारित सेवा पहलों के माध्यम से यह दिखाया गया है कि भारतीय सभ्यतागत मूल्य आधुनिक जिम्मेदारियों और समावेशिता के साथ कैसे आगे बढ़ सकते हैं।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व आधुनिक समाज को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का एक प्रयास है। यह हमें याद दिलाता है कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं है। इसकी वास्तविक शक्ति उन मूल्यों, परंपराओं और जिम्मेदारियों में है, जिन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया जाता रहा है। इसी कारण आज सोमनाथ केवल पुनर्निर्मित मंदिर नहीं, बल्कि एक जीवंत तीर्थ है।

इक्कीसवीं सदी में आगे बढ़ते भारत के लिए सोमनाथ एक महत्वपूर्ण संदेश देता है – कोई भी सभ्यता तब मजबूत रहती है जब वह अपनी जड़ों से जुड़ी रहे, समय के साथ स्वयं को ढालती रहे और सभी को साथ लेकर चले। सोमनाथ की यह विरासत हमें निरंतर प्रेरित करती रहे – उद्देश्यपूर्ण निर्माण करने के लिए, संतुलित आचरण के लिए और अपनी पहचान के प्रति सजग रहते हुए आगे बढ़ने के लिए।

नजरिया

उत्तर प्रदेश का चुनाव जातीय रंग में हर बार रंग जाता है। भाजपा को स्वर्ण के साथ पिछड़े, दलित और राजपूत तथा समाजवादी पार्टी को यादव, मुस्लिम मतों के साथ जाटों पर भरोसा है वहीँ बसपा दलित - मुस्लिम मतों पर आश्रित है। इससे पूर्व विभिन्न चैनल-एजेंसियों ने उत्तर प्रदेश की सियासत को लेकर सर्वे किया है।

भाजपा को अगले साल होने वाले चुनावों में जीत की उम्मीद

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

भाजपा ने बंगाल और असम में बड़ी जीत के बाद अब अगले साल होने वाले गोवा, गुजरात, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। इनमें पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव फरवरी – मार्च में प्रस्तावित है तो दो राज्यों के चुनाव अगले वर्ष के नवम्बर – दिसंबर में होने की सम्भावना है। भाजपा असम और बंगाल के चुनावों में मिली जीत से बेहद उत्साहित है। विशेषकर बंगाल चुनाव परिणामों से गद गद है। सात में से पांच राज्यों पर वर्तमान में भाजपा सत्तासीन है, पंजाब में आम आदमी पार्टी और हिमाचल में कांग्रेस का कब्जा है। इनमें यूपी और पंजाब में बहुकोणीय और शेष राज्यों में भाजपा और कांग्रेस में सीधे मुकाबले के आसार है। सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश है जहाँ अभी से चुनावी तलवारे खड़खड़ाने लगी है। सात राज्यों में होने जारहे विधान सभा चुनावों में सब की नजर उत्तर प्रदेश के चुनाव पर टिक्की है। यह चुनाव देश के सर्वाधिक चर्चित चुनावों में से एक होगा। देश में यूपी एक मात्र ऐसा राज्य है जहां चौबीसो घंटे राजनीतिक पार्टिया चुनावी मोड़ में रहती है। सियासी पार्टियों ने अपनी अपनी कमर कसनी शुरू कर दी है। बात बात पर नेताओं ने चुनाव में देख लेने की धमकिया देनी शुरू कर दी है। पिछले एक साल से चुनाव की चर्चा सुनी जा रही है। अभी चुनाव में लगभग नौ माह शेष है मग़र चुनाव की धमाचौकड़ी थमने का नाम नहीं ले रही है। यूपी में नौ साल से भाजपा सत्तारूढ़ है और योगी आदित्यनाथ के पास सत्ता की कमान है। भाजपा तीसरे टर्म के लिए जी तोड़ कोशिश में लगी है। यहाँ भाजपा और समाजवादी पार्टी में सीधी और कांटे की लड़ाई है। कांग्रेस और बसपा समाप्त प्राय है। अन्य छोटी पार्टिया अपने अस्तित्व को बचाने के फेर में है। सपा मुखिया पीडीए बनाकर मतों को एक मुश्त अपनी झोली में डालने के प्रयास में जुटी है वहीँ भाजपा हिन्दू मतों को कटेंगे तो बटेंगे का नारा देकर प्राप्त करने के प्रयास में है। कुछ अन्य जातीय पार्टियां भी जातीय मतों के बुते पर मैदान में डटी है।

उत्तर प्रदेश में चुनावी माहौल तेजी से गहराने लगा है। 2022 में यूपी की सभी 403 विधान सभा सीटों पर चुनाव हुआ था। इसमें एनडीए के खाते में 273+, सपा गठबंधन को 125 और बसपा को 1 सीट मिली थी। मिशन-2027 को लेकर भाजपा ने अपनी चुनावी रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है। भाजपा मिशन-2027 को लेकर ओबीसी वोट बैंक, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद पर केंद्रित रणनीति अपना रही है। पार्टी ने कुर्मी वोटों को साधने के लिए पंकज चौधरी को प्रदेश का अध्यक्ष बनाया है। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मतदाताओं का बड़ा हिस्सा परंपरागत रूप से समाजवादी पार्टी के साथ रहा है। सांसद ओवैसी की पार्टी भी दम ख़म के साथ चुनाव में कूद रही है। उसे मुस्लिम मतों पर पूरा भरोसा है। मुस्लिम मत बंटे तो सपा की नुक्सान होगा और भाजपा की राह आसान हो जाएगी। यू पी चुनाव में भाजपा और सपा में कांटे का मुकाबला है। चुनावी संघर्ष में मुख्य राजनीतिक दलों ने चुनाव जीतने के लिए साम, दाम, दंड और भेद का रास्ता अख्तियार किया है। दागी, बागी, जातीय, और दल बदलुओं का सभी दलों में भारी बोलबाला है। ये लोग बाहुबली और धनबली है जिसके कारण यू पी की राजनीति पर उनका जबरदस्त कब्जा है। चुनाव में ऐसे लोगों को उमीदवार बनाया जाता है जिनके खिलाफ रंगदारी, हत्या, गुंडागर्दी आदि के मुकदमें चल रहे है।

यूपी के चुनाव ही देश की दशा और दिशा निर्धारित करेंगे। बंगाल के चुनाव में मुस्लिम मतों के एकमुश्त तृणमूल कांग्रेस में झुकने के कारण हिन्दू मतों ने भाजपा के पक्ष में मतदान कर पार्टी को जिता दिया। भाजपा ने यूपी में भी कमोवेश इसी स्थिति को भांप कर हैट्रिक लगाने की उम्मीद जाहिर की है। सत्तारूढ़ भाजपा ने मोदी और योगी के सहारे जहाँ सत्ता में वापसी की उम्मीद जगाई है वहां अखिलेश की समाजवादी पार्टी ने कुछ छोटे दलों से गठजोड कर मुकाबला कांटे का खड़ा करने का प्रयास कर रही है।

उत्तर प्रदेश का चुनाव जातीय रंग में हर बार रंग जाता है। भाजपा को स्वर्ण के साथ पिछड़े, दलित और राजपूत तथा समाजवादी पार्टी को यादव, मुस्लिम मतों के साथ जाटों पर भरोसा है वहीँ बसपा दलित - मुस्लिम मतों पर आश्रित है। इससे पूर्व विभिन्न चैनल-एजेंसियों ने उत्तर प्रदेश की सियासत को लेकर सर्वे किया है।

उन सभी ओपिनियन पोल्स में यूपी में भाजपा के जीत की भविष्यवाणी की गई है। सपा को पहले के मुकाबले काफी मज़बूत स्थिति में बताया गया। ये विधान सभा चुनाव जहाँ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मुख्यमंत्री योगी का भविष्य तय करेंगे वहाँ समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती और ओवैसी की राजनीति की धार भी देखेंगे। फिलहाल शह और मात का खेल शुरू हो गया है। एक-दूसरे पर घात-प्रतिघात की राजनीति शुरू हो गई है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

'जन नायक' दो सप्ताह में रिलीज की जा सकती है : निर्माता वेंकट नारायण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विजय अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायक' अगले दो हफ्तों के भीतर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के निर्माता ने रविवार को यह घोषणा की। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ सी विजय के शपथ ग्रहण समारोह में केवीएन प्रोडक्शंस के संस्थापक वेंकट के नारायण ने संवाददाताओं को बताया कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की ओर से 'जन नायक' के प्रमाणन की अंतिम प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा, 'अंतिम प्रक्रिया जारी हैं और हम उनसे बातचीत कर रहे हैं। हम बहुत खुश और उत्साहित हैं।'

उन्होंने बताया कि 'जन नायक' के लगभग 14 दिनों में रिलीज होने की उम्मीद है।

फिल्म निर्माता ने विजय के साथ इस फिल्म में काम किया है और इस फिल्म को विजय के राजनीति में पूर्णकालिक रूप से प्रवेश करने से पहले अभिनेता के रूप में उनकी आखिरी फिल्म बताया जा रहा है। निर्माता नारायण ने अभिनेता विजय की सराहना करते हुए कहा कि वह बेहद अनुशासित और समर्पित व्यक्ति हैं तथा जो वादा करते हैं, उसे निभाते भी हैं। नारायण ने कहा, 'मैं विजय सर को व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। वह बहुत अनुशासित और समर्पित हैं और जो भी वादा करते हैं, उसे पूरा करते हैं। वह जो कहते हैं, वही करते हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म जन नायक का शीर्षक और उसकी विषयवस्तु तमिलनाडु में विजय के नेतृत्व में एक नए दौर का संकेत देती है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने फिल्म निर्माण के दौरान आई कुछ हालिया चुनौतियों का भी संक्षिप्त उल्लेख किया और कुछ घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

सिनेमा अब भी दक्षिण भारत की राजनीति को दे रहा आकार

चेन्नई। दक्षिण भारत के सियासी पटल पर सिल्वर स्क्रीन से सत्ता की कुर्सी तक के सफर की एक सांस्कृतिक रवायत रही है। दशकों से, फिल्मी नायकों और विधायी नेतृत्व के बीच बहुत महीन सी रेखा रही है, जो करिश्माई स्टारडम और गहरी क्षेत्रीय पहचान के अनूठे मिश्रण से प्रेरित है। इस बदलाव की आधारशिला 20वीं शताब्दी के मध्य में तमिलनाडु में एम. करुणानिधि (उर्फ कलाइग्नार), एम. जी. रामचंद्रन (एमजीआर) और आंध्र प्रदेश में एन. टी. रामाराव (एनटीआर) ने रखी थी।

राजनीति के दिग्गज रहे करुणानिधि ने सबसे पहले एक क्रांतिकारी पटकथा लेखक के रूप में सिनेमा जगत में अपनी पहचान बनाई। पांच दशकों से अधिक समय में, उन्होंने पटकथा लेखक से तमिलनाडु के पांच बार मुख्यमंत्री बनने तक का सफर तय किया। एमजीआर भी 'सिलवर स्क्रिन से राजनीति के जननेता' के रूप में उभरे और 1977 में मुख्यमंत्री बने। उन्होंने कल्याणकारी कार्यों की एक ऐसी नींव रखी जो दशकों तक कायम रही। उनके बाद, उनकी शिष्या जे जयललिता एक प्रसिद्ध अभिनेत्री से 'अम्मा' के नाम से जानी जाने वाली एक सशक्त राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरीं।

आंध्र प्रदेश में एनटीआर ने लगभग असंभव को संभव कर दिखाया। अक्सर स्क्रीन पर कृष्ण या राम की भूमिका निभाने वाले एनटीआर ने 1982 में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा)की स्थापना की और तेलुगु 'अस्मिता' की लहर पर सवार होकर नौ महीने के भीतर मुख्यमंत्री बन गए। दशकों तक दबदबा रखने वाले दलों के बीच विजयकांत ने तमिलनाडु में एक अलग पहचान बनाई। उन्हें प्यार से 'कैप्टन' कहा जाता था। विजयकांत ने 2005 में पूर्व में स्थापित द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक)के सीधे विकल्प के रूप में देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कषगम (डीएमडीके) की स्थापना की। पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में चिरंजीवी और पवन कल्याण दोनों भाइयों ने राजनीति में प्रवेश किया, लेकिन 'पावर स्टार' कल्याण ने लगभग एक दशक तक चुनावी झटकों के बावजूद अपनी दृढ़ता साबित की। उन्होंने 2024 में शानदार सफलता हासिल की और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बने।

इसी बीच, 'मेगास्टार' चिरंजीवी ने 2008 में प्रजा राजयम पार्टी (पीआरपी) की स्थापना की और बाद के चुनावों में करीब 18 प्रतिशत मत प्राप्त करने में सफल रहे, लेकिन बाद में पूर्णकालिक राजनीति से दूरी बना ली। अन्य उल्लेखनीय तेलुगु सितारों में हिंदुपुर से मौजूदा विधायक नंदामुरी बालकृष्ण हैं, जो अपने पिता एनटीआर की विरासत को क्षेत्रीय निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

हॉलीवुड में छाने को तैयार दिशा पाटनी, 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' से करेंगी अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड कलाकारों ने अंतरराष्ट्रीय फिल्मों और वेब सीरीज की दुनिया में अपनी खास जगह बनानी शुरू कर दी है। प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद अब अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली इंटरनेशनल मूवी 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। ट्रेलर में वह एक्शन करती नजर आ रही हैं।

फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' एक बड़ी काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। यह 'स्टेटिगार्ड्स वर्सेज होलीगार्ड्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की पहली मूवी है। इस कहानी को लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार किया है। फिल्म में दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में नियम और संतुलन बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग सोच और अलग रास्ते पर चलता है। इसी संघर्ष के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सामने आता है, जो पूरी कहानी का सबसे अहम हिस्सा है। फिल्म में जेसिका को एक ऐसी लड़की के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी पक्षों से है। वह दोनों गुटों के लीडर की बेटी है। यही वजह है कि उसे दो अलग-अलग दुनियाओं के बीच एक पुल माना जा रहा है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि दुनिया का भविष्य उसी के फैसले पर निर्भर होता है।

ट्रेलर में कई ऐसे सीन्स हैं, जहां जेसिका अपनी शक्तियों को समझने और उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश करती है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं होती, बल्कि खुद को पहचानने और सही रास्ता चुनने की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है। ट्रेलर में दिशा पाटनी का एक्शन अवतार सबसे ज्यादा ध्यान खींचता है। वह कई खतरनाक लड़ाई वाले सीन्स में नजर आती हैं। कभी तलवारों के साथ, तो कभी रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए दिशा दिखाई देती हैं।

इस फिल्म की एक और खास बात इसकी स्टार कास्ट है। दिशा पाटनी के साथ फिल्म में हॉलीवुड के कई बड़े कलाकार भी नजर आएंगे। इनमें केविन स्पेसी, डॉल्फ लुंडग्रेन और टायरेस गिब्सन जैसे नाम शामिल हैं।दिशा पाटनी ने इस फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से इस ट्रेलर के रिलीज होने का इंतजार कर रही थी। पहली इंटरनेशनल मूवी में काम करना मेरे लिए एक साथ रोमांचक और डराने वाला अनुभव रहा। अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करते हुए मुझे काफी कुछ सीखने को मिला। दिशा ने कहा, मुझे हमेशा से एक्शन फिल्मों में काम करना पसंद रहा है। बॉलीवुड में मैंने जो अनुभव हासिल किया, अब उसे ग्लोबली दिखाने का मौका मिला है। यह मेरे करियर का बेहद खास पल है।

अभिनेत्री हेमा मालिनी रविवार को मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंची।

'थलपति' से 'मुथलवर' तक

विजय ने बदली तमिलनाडु की राजनीति की पटकथा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सी. जोसेफ विजय जब बार-बार यह दावा कर रहे थे कि 2026 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव उनकी पार्टी टीवीके और सत्ता पर काबिज द्रमुक के बीच सीधी जंग है, तब बहुत से लोगों ने इसे एक फिल्मी सितारे का अति आत्मविश्वास समझकर खारिज कर दिया था, लेकिन रविवार को राजनीति की पटकथा ही बदल गयी और 51-वर्षीय विजय ने द्रविड़ राजनीति की सबसे मजबूत ताकत को शिकस्त देकर 'रील लाइफ' के ''थलपति'' से लेकर 'रियल लाइफ' के ''मुथलवर'' (मुख्यमंत्री) तक का सफर पूरा किया। सिर्फ चुनावी मुकाबले में ही नहीं, बल्कि राजनीति करने के तरीके में भी विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने पारंपरिक राजनीतिक दलों से बिल्कुल अलग राह चुनी। विजय ने हर विधानसभा क्षेत्र में जाकर उम्मीदवारों का परिचय नहीं कराया, न ही पारंपरिक शैली में विशाल रैलियां कर आक्रामक प्रचार किया। इसके बावजूद उनके संदेश सोशल मीडिया पर बार-बार साझा किए जाते रहे और उनके प्रशंसकों तथा समर्थकों ने जन-जन तक उन्हें जुबानी भी पहुंचाया। उन्होंने संवाददाता सम्मेलनों या साक्षात्कारों से दूरी बनाए रखी और सीधे सोशल मीडिया के माध्यम से जनता से संवाद किया। खास बात यह रही कि उन्होंने युवाओं, किशोरों और बच्चों को केंद्र में रखकर प्रचार अभियान तैयार किया, ताकि वे अपने माता-पिता को टीवीके के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित करें।

विजय ने अपनी राजनीतिक विचारधारा में द्रविड़ चिंतन और तमिल राष्ट्रवाद का ऐसा मिश्रण

तैयार किया, जिसने जनता के बड़े वर्ग को आकर्षित किया। करीब 25-30 साल पहले शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि शर्मिला, सौम्य और मासूम-सा दिखने वाला यह युवक एक दिन राजनीतिक पार्टी बनाकर तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनेगा। इतिहास का यह पूरा सफर मानो एक तस्वीर में सिमट आया, जब द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के दिग्गज नेता एम. करुणानिधि के साथ पीछे खड़े बालक विजय की फोटो वायरल हुई। उस तस्वीर को देखकर लोग हैरानी से पूछने लगे कि क्या कभी पूर्व मुख्यमंत्री करुणानिधि ने सोचा होगा कि यही लड़का एक दिन उनके बेटे स्टालिन का सबसे बड़ा राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी और उनकी पराजय का कारण बनेगा। फिल्म 'पूवे उनक्कागा' के निर्देशक विक्रमन ने हाल ही में पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मुझे तभी यकीन था कि विजय एक दिन फिल्म उद्योग पर राज करेंगे। उनमें कुछ ऐसा खास था, जो लोगों को दीवाना बना देता था।'' 'गिल्ली' और 'मधुरे' जैसी फिल्मों के संवाद लिखने वाले तथा 'अझागिया तमिल मगन' और 'बैरावा' के निर्देशक भारतन भी इस बात से सहमति जताते हैं। 'पूवे उनक्कागा' विजय के फिल्मी करियर की पहली बड़ी सफलता साबित हुई। इसके बाद उन्होंने भावनाओं, पारिवारिक मूल्यों, हास्य, दमदार एक्शन और सुपरहिट गीतों के मिश्रण वाले फॉर्मूले से खुद को मेगास्टार' में बदल लिया।

विजय के परिवार ने उनकी तीसरी फिल्म 'रसिगन' (1994) से ही उन्हें ''इलैया थलपति'' यानी ''युवा कमांडर'' का खिताब देना शुरू कर दिया था। यह उनकी अपना ''ब्रांड' बनाने की दूरदृष्टि का ही संकेत था। समय के साथ यही ''इलैया थलपति'' निर्विवाद 'थलपति' और जननायक बन गया। अब चंद्रशेखर जोसेफ विजय ने 'थलपति' से आगे बढ़कर 'थलाइवन' (नेता) और 'मुथलवर' (मुख्यमंत्री) का सफर तय कर लिया है। विजय ने बेहद योजनाबद्ध तरीके से अपने फिल्मी करियर को राजनीतिक परिवर्तन के लक्ष्य के अनुरूप ढाला।

जब 2021 के स्थानीय निकाय चुनावों में विजय मक्कल इयक्कम (वीएमआई) के बैनर तले उनके समर्थकों ने अभिनेता की तस्वीरों के साथ चुनाव जीतना शुरू किया, तभी से उनके राजनीति में कदम रखने के संकेत मिलने लगे थे। वीएमआई के कई पदाधिकारी आज टीवीके के प्रमुख नेता हैं। वर्षों पहले जब विजय सार्वजनिक मंचों पर कहानियां सुनाने लगे, जो कभी पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय जे. जयललिता की खास शैली मानी जाती थी, तब लोगों को लगा कि वह जरूरत से ज्यादा बड़ा दांव खेल रहे हैं।

मेरा काम सिर्फ लोगों का मनोरंजन करना है : दिलजीत दोसांझ

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी संगीत और फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ इन दिनों एक अलग वजह से चर्चा में हैं। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज हो गई थी कि क्या दिलजीत दोसांझ आने वाले समय में पंजाब की राजनीति का नया चेहरा बन सकते हैं। दरअसल, उनकी बढ़ती लोकप्रियता, युवाओं के बीच उनकी मजबूत पहचान और समाज से जुड़े मुद्दों पर उनकी खुलकर राय रखने की वजह से लोग इस तरह की बातें कर रहे हैं। अब इन सभी चर्चाओं के बीच दिलजीत दोसांझ ने अपनी चुप्पी तोड़ी और साफ किया कि उनका राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है। दिलजीत दोसांझ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स की टाइमलाइन पर एक पंजाबी अखबार की खबर को फिर से शेयर किया। इस खबर में सवाल पूछा गया था कि क्या दिलजीत दोसांझ पंजाब का नया राजनीतिक चेहरा बन सकते हैं। खबर में उनकी बढ़ती लोकप्रियता और लोगों के बीच उनकी मजबूत इमेज का जिक्र किया गया। यह पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं तेज हो गई और राय देने लगे कि अगर दिलजीत राजनीति में आते हैं तो वह पंजाब के लिए नई सोच ला सकते हैं।

दिलजीत दोसांझ ने इस पूरे मामले पर सीधा जवाब दिया। उन्होंने अपने पोस्ट में पंजाबी में लिखा, 'कदे वी नहीं', यानी वह कभी राजनीति में नहीं आएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा, मेरा काम लोगों का एंटरटेनमेंट करना है और मैं अपने इसी काम में बहुत खुश हूं। आप लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद। दरअसल, यह चर्चा उस समय ज्यादा बढ़ गई जब 'जागो पंजाब मंच' नाम के एक समूह की अपील सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने लगी। यह अपील सीधे दिलजीत दोसांझ के नाम लिखी गई थी। इसमें पंजाब के लोगों से जागने, बदलाव लाने और उम्मीद बनाए रखने की बात कही गई।

इस अपील में पंजाब की हालत को लेकर कई गंभीर बातें कही गई थीं। इसमें लिखा गया, राज्य लगातार मुश्किलों का सामना कर रहा है और समाज में टूटन बढ़ती जा रही है। सांप्रदायिक तनाव जैसे खतरे बढ़ रहे हैं और अब इन मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश की सेवा करने वाले लोगों की सोच और जिम्मेदारी समाज को मजबूत बनाने में मदद कर सकती है।अपील के आखिर में इस ओर संकेत दिया गया कि दिलजीत दोसांझ ऐसे व्यक्ति हो सकते हैं जो लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरें। इसमें कहा गया कि समय अब जवाब मांग रहा है और पंजाब को ऐसे चेहरे की जरूरत है जो लोगों को जोड़ सके।

राष्ट्रगान

चेन्नई में एक्ट्रेस त्रिशा कृष्णन रविवार को नए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान राष्ट्रगान के लिए खड़ी हुईं।

बिहार की मिट्टी में सम्मानित होना सबसे बड़ी खुशी : संजना पांडे

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री संजना पांडे को हाल ही में आयोजित प्रतिष्ठित 'जी भोजपुरी 2026' समारोह में उनकी फिल्म 'कलेक्टर साहिबा' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (समीक्षक) और 'बहुमुखी अभिनेत्री' के सम्मान से नवाजा गया। शनिवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए से अपनी इस बड़ी उपलब्धि को शेयर करते हुए प्रशंसकों और फिल्म की टीम का आभार व्यक्त किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पुरस्कार समारोह की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे अपनी ट्रॉफी के साथ गौरवान्वित महसूस करती दिख रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट किया कि उनके लिए केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि एक बेहद भावनात्मक पल है।

अभिनेत्री ने लिखा, जिस बिहार की मिट्टी में आप पले-बढ़े हो और उसी से आपकी पहचान जुड़ी है, उसी धरती पर सम्मानित होना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए अपनी सफलता का श्रेय टीम दिया। उन्होंने फिल्म निर्देशक इश्तियाक शेख बंटी और सह-अभिनेता गौरव झा का विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने लेखक अरविंद तिवारी और फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों और तकनीशियनों के प्रति भी आभार प्रकट किया। संजना ने कहा कि टीम वर्क और सबके समर्थन के बिना यह मुकाम हासिल करना संभव नहीं था। संजना ने अपने संदेश के अंत में अपने परिवार, दर्शकों और ईश्वर का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने एक लिखा, जब आप काम पूरी मेहनत शिद्दत और ईमानदारी से करते हो तो देखने वाले देख ही लेते हैं। जय भोजपुरी। जय भोजपुरी समाज। इश्तियाक शेख बंटी द्वारा निर्देशित फिल्म में संजना पांडेय और गौरव झा के अलावा विनोद मिश्रा, अमित शुक्ला प्रकाश जैस, साहिल सिद्दीकी, सुबोध सेठ, रिंकू भर्ती, स्वीटी सिंह संतोष श्रीवास्तव, कंचन मिश्रा, निशा तिवारी और प्रेरणा सुषमा जैसे कलाकार हैं। संजना की इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म को टेलीविजन और यूट्यूब दोनों में प्रसारित किया था।

मुंबई/एजेन्सी

वक्त खुद बताएगा मैं कौन हूं : उर्वशी रौतेला

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला अक्सर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। कभी अपने ग्लैमरस अंदाज को लेकर तो कभी अपने बयानों की वजह से वह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन जाती हैं। कई बार उनके दावों और बातों को लेकर लोग उन्हें ट्रोल भी करते हैं। इसको लेकर उर्वशी ने कहा कि अब उन्होंने खुद को जरूरत से ज्यादा समझाने की कोशिश करना बंद कर दिया है और समय को यह बताने देना चाहती हैं कि वह वास्तव में कौन हैं।

उर्वशी रौतेला ने खुलकर उन गलतफहमियों पर बात की, जो लोग उनके बारे में बना लेते हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग उनकी महत्वाकांक्षा को गलत तरीके से समझ लेते हैं। अगर कोई महिला ग्लैमर पसंद करती है, फैशन में दिलचस्पी रखती है और लगातार लाइमलाइट में रहती है, तो लोग यह मान लेते हैं कि वह सिर्फ दिखावे तक सीमित हैं जबकि हकीकत इससे बिल्कुल अलग हो सकती है। उर्वशी ने कहा कि कई लोगों को लगता है कि ग्लैमरस दिखने वाली महिला गंभीर, मेहनती या समझदार नहीं हो सकती। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें ऐसा महसूस होता था कि उन्हें हर किसी को यह साबित करना पड़ेगा कि वह सिर्फ एक खूबसूरत चेहरा नहीं हैं बल्कि अपने काम को लेकर बेहद फोकस्ड और अनुशासित भी हैं। हालांकि अब उनकी सोच बदल चुकी है।

अभिनेत्री ने कहा कि इंसान पूरी जिंदगी लोगों की सोच बदलने में नहीं लगा सकता। जो लोग सच में उनके काम और सफर को करीब से देखते हैं, वे धीरे-धीरे उनकी असली पहचान समझ ही जाते हैं। उर्वशी का कहना है कि अब वह खुद को बार-बार समझाने के बजाय अपने काम पर ध्यान देना ज्यादा पसंद करती हैं। उनके मुताबिक समय सबसे बड़ा जवाब होता है और वही लोगों को सच्चाई दिखाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी जल्द ही वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन में नजर आने वाली हैं।

इस सीरीज में अभिनेता रणदीप हुड्डा मुख्य भूमिका में हैं। यह सीरीज उत्तर प्रदेश के सुपरकॉप अविनाश मिश्रा की जिंदगी और अपराध के खिलाफ उनकी लड़ाई पर आधारित है। पहले सीजन को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और अब दूसरे सीजन को लेकर भी उत्साह बना हुआ है। इसके अलावा उर्वशी हाल ही में फिल्म 'डाकू महाराज' में नजर आई थीं। हालांकि फिल्मों से ज्यादा वह अक्सर अपने स्टाइल, सोशल मीडिया पोस्ट और बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं।

नेलमंगला मंदिर में हुआ जीण माता मंगल पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के नेलमंगला स्थित जीण माता मन्दिर के प्रांगण में रविवार को संगीतमय ढंग से जीण शक्ति मंगल पाठ का आयोजन किया गया। सबसे पहले माता की पूजा कर अखण्ड ज्योत प्रज्वलित की।

ततपश्चात गायिका स्वाति शर्मा व हेमन्त मंत्री ने संगीतमय मंगल पाठ का वाचन किया तथा भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर जीण माता के अनेक भक्त उपस्थित थे। कार्यक्रम में चारधाम यात्रा कर लौटे मां जीण के दीवाने ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य राजकुमार अग्रवाल दम्पति का संस्था की ओर से सम्मान किया गया। इस भजन कार्यक्रम में बिपिन अग्रवाल, अनिल सुल्तानिया, विजय चौधरी, नंदकिशोर चौधरी सहित अन्य लोगों ने उपस्थित होकर माता के दरबार में धोक लगाई।

निशुल्क नेत्र शिविर में 50 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिकबल्लापुर। शहर के महावीर जैन संघ व प्रोजेक्ट दृष्टि के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 50 लोगों ने आंखों की जांच कराई तथा आवश्यकतानुसार 35 मरीजों का चयन कर शल्य चिकित्सा के लिए जैन मिशन अस्पताल भेजा गया।

संघ के मंत्री उत्तमचन्द कोठारी ने बताया कि शिविर में डॉ नरपत सोलंकी व उनकी टीम ने सेवाएं दी।

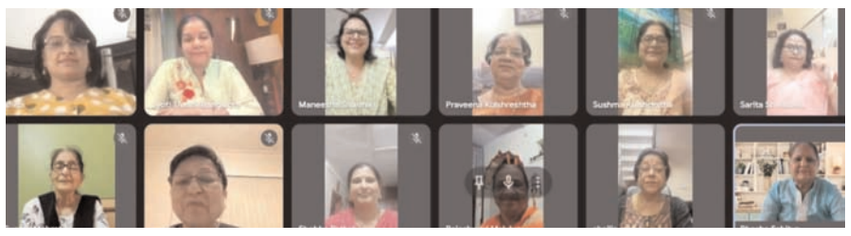

मातृ दिवस पर भाषा साहित्य मंच की गोष्ठी वात्सल्य रस से सराबोर रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भाषा साहित्य मंच की मई माह की काव्य गोष्ठी मातृ दिवस के अवसर पर रविवार को सरिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। मंच की संस्थापिका डॉ.उषा श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया तथा मातृ दिवस की बधाई दी। उन्होंने मंच की गतिविधियों की चर्चा करते हुए आगामी माह मंच के षष्ठम वार्षिक महोत्सव के आयोजन की घोषणा की। गोष्ठी में शोभा पाठक, ज्योति तिवारी, डॉ वत्सला किरण, वीना सरीन, डॉ शैलजा रोला, सुमन मेहरोत्रा, सरिता श्रीवास्तव, सुषमा कुलश्रेष्ठ, मनीषा शर्मा, नंदिनी माथुर, राजेश्वरी और शिल्पी भटनागर ने मां विषय पर केंद्रित अपनी मार्मिक कविताओं से सबको भावुक कर दिया। मनीषा शर्मा ने गोष्ठी का संचालन किया। अंत में सरिता श्रीवास्तव ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सभी की रचनाओं की सराहना की। शिल्पी भटनागर ने सभी को धन्यवाद दिया।

उपधान प्रथम सोपान में हमें आंतरिक शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने की साधना करनी है : आचार्यश्री पार्श्वचंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

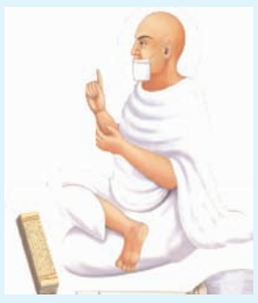

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग जैन स्थानक में अखिल भारतीय श्वेतांबर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ एवं बेंगलूरु शाखा के तत्वावधान में आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी एवं डॉ. पदमचंद्रमुनिजी के सान्निध्य में 15 दिवसीय आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान प्रारंभ हुआ। प्रथम दिन आचार्यश्री पार्श्वचन्द्रजी ने कहा कि शत्रु दो प्रकार के होते हैं आंतरिक एवं बाहरी। बाहरी शत्रुओं से आंतरिक शत्रु अत्यंत घातक होते हैं। दूसरों के साथ युद्ध में उत्साह बना रहता है क्योंकि योद्धा को विश्वास होता है कि उनकी शक्ति उनके साथ है, लेकिन यदि राष्ट्र के अंदर ही युद्ध हो रहा होता है वहां राजा हार जाता है। बाहरी शत्रुओं से आंतरिक शत्रु अधिक घातक होते हैं। ङङउन्होंने आराधकों को संबोधित करते हुए कहा कि एक छोटी सी गलती भी जीवन को पतन की ओर अग्रसर कर सकती है। रावण के पास 1000 विद्याएं थी, अपार बल था, लेकिन उसने पर-नारी का अपहरण किया। विभीषण ने उसे समझाया लेकिन अहंकार के कारण रावण ने बात नहीं मानी। उस एक गलती के कारण उसके भाई विभीषण ने उसका साथ छोड़ दिया और रावण को लंका के राज्य और प्राणों से भी हाथ धोना पड़ा। क्रोध, मान, माया, लोभ, राग, द्वेष ये आंतरिक शत्रु हैं। इन आंतरिक शत्रुओं को जो जीत लेता है, उसका कोई भी बाहरी शत्रु नहीं रहता है। बाहरी जितने भी शत्रु है वह सभी आंतरिक कारणों से ही हैं। उपधान प्रथम सोपान में हमें इन आंतरिक शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने की साधना करनी है।ङङडॉ. पदमचंद्रमुनिजी ने उपधान शुभारंभ के अवसर पर स्थानकवासी परंपरा में आचार्यश्री जयमलजी के विशिष्ट योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने दृढ़ संकल्प और गुरु के प्रति समर्पण का अनुपम आदर्श उपस्थित किया। उपधान तप आराधना ज्ञान और क्रिया का संगम है। उपधान आराधकों की कथनी करनी एक समान होती है। मानव से भूल हो जाती है। उस भूल की आलोचना, निंदा, गर्हा प्रतिक्रमण करने से उसका सुधार हो जाता है। उन्होंने कहा कि यह मानव भाव हमें अपनी आत्मा को शुद्ध बनाने और शाश्वत सुखों को प्राप्त करने की साधना के लिए मिला है। देवता भी मनुष्य भव के लिए तरसते हैं कि हमें मनुष्य भव मिले, संयम स्वीकार करें और उत्कृष्ट साधना कर सदा के लिए शाश्वत सुखमय सिद्ध स्वरूप को प्राप्त कर लें। भोगों से सुख नहीं मिलता है, भोग दुख को ही बढ़ाते हैं। सच्ची श्रद्धा से, दर्शन शुद्धि से भव भ्रमण का अंत हो जाता है।ङङसंयोजक राजेंद्रकुमार नाहर ने उपधान तप आराधना आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम सोपान में कुल 192 आराधक आराधना कर रहे हैं। सहसंयोजक कोमलचंद धोका ने बताया कि उपधान में गुरु भगवंत के समीप रहकर ज्ञान, धर्म व परम्परा के अनेक धार्मिक विधियां कराई जाती है । प्रचार प्रसार प्रभारी जेके महावीरचंद चोरड़िया ने कहा कि शुभारंभ के अवसर पर समणीवृंद के साथ ही जयमल संघ बेंगलूरु के अध्यक्ष मीठालाल लोढ़ा, मंत्री मनोहरलाल डूंगरवाल, सहमंत्री महेन्द्रकुमार मेहता, श्रेयांस पारणा समिति के कोषाध्यक्ष महावीरचंद श्रीश्रीमाल, जेपीपी महिला फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष आशाबाई कटारिया, जेपीपी गुरु सेवा समिति के अध्यक्ष आनंदकुमार सेठिया, निर्मलकुमार नाहर, सीए चंद्रप्रकाश जैन आदि सहित अनेक लोगों की उपस्थिति थी।

माता सिर्फ जन्म ही नहीं बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाती है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आस्टिन टाउन स्थित जैन स्थानक में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने उपस्थित जनों को मातृ दिवस पर संबोधित करते हुए कहा कि महापुरुष व भगवान से भी मां का दर्जा अनंत गुना महान है। मां नहीं होती तो महापुरुष दुनिया में कहां से आते? मुनि कमलेशजी ने कहा कि माता सिर्फ जन्म ही नहीं देती है बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाती है। हम माता के बिना जीने की कल्पना ही नहीं कर सकते। चारों धाम की यात्रा से बढ़कर मां होती है। मां के चरणों में साक्षात जन्नत है, जिसने मां का दिल जीत लिया उसने परमात्मा को वश में कर लिया। मुनिश्री ने कहा कि जिनके व्यवहार से मां की आंखों में दुख के आंसू आ जाते हैं उस व्यक्ति के द्वारा किया गया दान, त्याग, तपस्या सब मिट्टी में मिल जाते हैं। मां के कर्ज से कभी मुक्त नहीं हुआ जा सकता, मां के शरीर से ही हमारे शरीर का निर्माण हुआ है। राष्ट्रसंत ने कहा कि माता अपने सुख और दुख की परवाह न करते हुए संतान के लिए निस्वार्थ भाव से सब कुछ लुटा देती है। ङ्क जैन संत ने कहा कि वृद्ध आश्रम आध्यात्मिक देश के लिए एक कलंक और अभिशाप है। जिसने भी अपने माता और पिता को वृद्धाश्रम में पर छोड़ दिया, उससे बढ़कर और कोई पाप और हिंसा नहीं हो सकती, ऐसा करने वाला व्यक्ति कसाई से कम नहीं होता। अंत में कहा कि धार्मिक ग्रंथों में लिखा है कि ऐसा व्यक्ति अपने शरीर की चमड़ी के जूते बनाकर भी यदि मां को पहना दे, सोने के झूले में झुलाए, पंच पकवान खिलाए तो भी मां के ऋण से मुक्त नहीं हो सकता। माता पिता का सम्मान करते हुए उन्हें इच्छानुसार यदि हम उन्हें आध्यात्मिक मार्ग में आगे बढ़ाएं, तभी कर्ज से मुक्त हुआ जा सकता है। इस मौके पर उपस्थित जनों ने महामंत्र नवकार का जाप करके माता का सम्मान किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेवा व सम्मान

बेंगलूरु के भक्ति जंगमा मुनेश्वरा स्वामी देवस्थानम सेवा ट्रस्ट मारुति नगर द्वारा रविवार को क्षेत्र में आयोजित भगवान मुनेश्वरा स्वामी जात्रा महोत्सव में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

केरल के मुख्यमंत्री पर आलाकमान के फैसले को कांग्रेस कार्यकर्ताओं को स्वीकार करना होगा : मुरलीधरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने रविवार को कहा कि केरल के अगले मुख्यमंत्री के चयन के संबंध में पार्टी कार्यकर्ताओं को आलाकमान का फैसला स्वीकार करना होगा। वह नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की जीत के बाद पार्टी के भीतर नेतृत्व मुद्दे पर हो रही चर्चा के बीच यहां पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। मुरलीधरन ने कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर मौजूदा बहस ने यूडीएफ की जीत को प्रभावित नहीं किया है।

उन्होंने कहा, ''पार्टी में यह आम बात है। फैसला आने दीजिए। नेतृत्व के फैसले को स्वीकार करना हर कांग्रेस कार्यकर्ता का दायित्व है।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. डी. सतीशन, के. सी. वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला को मुख्यमंत्री पद के लिए प्रबल दावेदार माना जा रहा है, जबकि अंतिम निर्णय नवनिर्वाचित 63 कांग्रेस विधायकों द्वारा पारित प्रस्ताव के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा लिया जाएगा।पार्टी अध्यक्ष और वरिष्ठ नेताओं ने शनिवार को सतीशन, वेणुगोपाल तथा चेन्निथला से मुलाकात की। तीनों नेताओं के समर्थकों ने रैलियां भी निकालीं, होर्डिंग लगाए और सोशल मीडिया पर बहस में शामिल हुए, जिसके चलते पार्टी नेतृत्व को हस्तक्षेप करना पड़ा। वट्टियूरकावु विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल करने वाले मुरलीधरन ने कहा कि शनिवार की चर्चा के बाद दो दिन के भीतर मुख्यमंत्री के बारे में फैसला होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चयन के लिए कांग्रेस के पास एक स्थापित प्रक्रिया है, जिसके तहत पार्टी आलाकमान यहां विधायकों और वरिष्ठ नेताओं से परामर्श करने के बाद अंतिम निर्णय लेता है। मुरलीधरन ने यह भी कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री के चयन को लेकर अपनी राय पहले ही आलाकमान को बता दी है और उनका रुख नहीं बदलेगा।

कमल हासन, आर माधवन और अन्य ने विजय को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी

नई दिल्ली। कमल हासन और आर माधवन सहित कई हस्तियों ने टीवीके अध्यक्ष चंद्रशेखर जोसेफ विजय को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी और इसे ''ऐतिहासिक जीत'' बताया। विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में आधिकारिक तौर पर शपथ ली। यह समारोह चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया, जहां राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। हासन ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट कर बधाई दी। उन्होंने लिखा, ''तमिलनाडु के माननीय मुख्यमंत्री, मेरे भाई थिरु विजय के नेतृत्व में तमिलनाडु राज्य का विकास हो। यह नई ऊंचाइयों को छुए। मेरी हार्दिक बधाई।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), विदुथलाई चिरुथाइगल काची (वीसीके) और भारतीय यूनियन मुस्लिम लीग को हार्दिक बधाई, जिन्होंने जनता के फैसले का सम्मान करते हुए तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार को अपना समर्थन दिया है।''

बालकों के संस्कारों में परिवार व पड़ोस की अहम् भूमिका : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेल्लारी। रविवार को बल्लारी पहुंचे आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी व अन्य साधुओं का श्रद्धालुओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया तथा संतों को अभिनंदन किया। इस मौके पर विमलादेवी राजमल श्रीश्रीमाल परिवार के सौजन्य से आयोजित त्रिदिवसीय कृतज्ञता महोत्सव के उपलक्ष्य में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीजी ने कहा कि गरीबी या अभावग्रस्त जीवन जितना दुष्प्रभावी नहीं होता, उतना घर के आसपास, पड़ोस और समाज का वातावरण बालकों पर असर करता है। अगर वे गंदे, गलत या बुरे वातावरण में पल रहे हैं तो उन बालकों की कोमल और अपरिपक्व मानसिकता पर इसके गहरे नकारात्मक प्रभाव स्पष्ट दिखाई देंगे, इसलिए अपना घर सही जगह व मौहल्ले पर होना चाहिए और पड़ोसी अच्छे होने चाहिएं। वक्त पर अच्छे पड़ोसी ही काम आते हैं। बालकों को सुधारने के लिए होस्टल में भेज देना भी समस्या का समाधान नहीं है। अक्सर परिवार से दूर होस्टल में रहकर बालक बिगड़ जाते हैं। उनकी संवेदनाएं धीरे-धीरे मर जाती हैं। वे कठोर या अकेलेपन का शिकार हो सकते हैं अथवा गलत संगति में पड़ सकते हैं। पूरे दिन बालकों को टोंकते रहना या बार-बार उनके साथ मारपीट करना भी उनको सुधारने का रास्ता नहीं है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि बालकों में संस्कारों का सिंचन करने के लिए घर में अनुकूल वातावरण और श्रेष्ठ व्यवस्थाओं का होना जरूरी है। बालक जो देखते हैं, वैसा सीखते चले जाते हैं। माता-पिता और अभिभावकों के विचारों तथा उनके आचरण का बालकों पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है।

मनुष्य के सभी संस्कार गत जन्मों के ही नहीं होते। झूठ, जिद्द, गुस्सा, मनमानी, गालीगलौज, अनुशासनहीनता, ईर्ष्या, भेदभाव और व्यसन आदि अनेक कुवृत्तियां बालकों के जीवन में दूसरों को देख-देखकर पनपती हैं। परिवार का सुसंस्कारी वातावरण और उसकी गौरवशाली परंपराएं भी बालकों के जीवन-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संवेदना और प्रेम से बालकों को अपने पास लेना चाहिए। उन्हें अलग-अलग तरीकों से समझाना और उनमें विश्वास पैदा करना चाहिए। डराकर बालकों को कमजोर नहीं बनाना चाहिए। संस्कारी परिवारों के आसपास घुल मिलकर रहना तथा बालकों के अच्छे मित्रों का होना भी अपने जीवन का महत्वपूर्ण पक्ष है। माता-पिता और अभिभावकों का दायित्व हैं कि वे बालकों के स्वभाव और उनकी मनोवृत्तियों का बारीकी से निरीक्षण कर उन्हें बदलने का प्रयत्न करें। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी एवं सहवर्ती श्रमणवृंद होसपेट से संडूर होते हुए रविवार को बेल्लारी पहुंचे। सकल जैन संघ के हजार से अधिक श्रावक-श्राविकाओं ने महावीर कॉलोनी के द्वार पर एकत्रित होकर श्रमणों का स्वागत किया। पार्श्वनाथ जिनालय में सामूहिक चैत्यवंदना के बाद युवतियों ने मंगल कलशों से शकुन विधान कर प्रदक्षिणा दी। महिलावर्ग ने राजस्थानी स्वागत गीतों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

महिलाओं के लिए आयोजित हुई 'नेल आर्ट्स' कार्यशाला

जीतो साउथ लेडिज विंग ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज़ विंग ने सक्षम पहल के अंतर्गत 'नेल आर्ट हैंड्स ऑन वर्कशॉप' का आयोजन जीतो ऑफिस, चामराजपेट में किया गया, जिसमें 120 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लेडीज विंग साउथ की अध्यक्ष बबीता रायसोनी ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि इस तरह की कार्यशाला से कुछ नया सीखने को मिलेगा तथा रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता आएगी। उन्होंने कहा कि नेल आर्ट केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि एक हॉबी, पैशन और व्यवसाय का माध्यम भी बन सकता है।

जब हुनर उंगलियों पर सजता है, तो वह केवल सौंदर्य नहीं बढ़ाता, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता भी गढ़ता है। ङङइस कार्यशाला में रीएनएल पैलेट की प्रमुख व नेल आर्ट विशेषज्ञ सलोनी नेतानी का परिचय संयोजिका संगीता सियाल ने दिया। प्रशिक्षिका सलोनी ने नेल प्रिपरेशन, जेल पेंट तकनीक, क्रोम इफेक्ट, फ्लोरल डिज़ाइन, फ्रेंच टिप्स, ग्लॉसी फिनिश एवं प्रेस-ऑन नेल एक्सटेंशन का लाइव डेमो दिया। सलोनी ने कहा, नेल आर्ट केवल ब्यूटी नहीं, यह आपकी उंगलियों पर दिखाई देने वाली क्रिएटिविटी है। रविवार को मदर्स डे के उपलक्ष्य में सभी प्रतिभागियों को नेल आर्ट किट भेंट किए गए। इस कार्यशाला में पांच साधर्मिक महिलाओं को आमंत्रित किया गया जिन्होंने इस कला को अपने रोजगार का माध्यम बनाने का निर्णय लिया। सहसंयोजिका अंगिका बाफना ने धन्यवाद दिया।कार्यक्रम का संचालन मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने किया।

नई पीढ़ी, नई आवाज, नई कल्पना : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को सी जोसेफ विजय के तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर उन्हें बधाई दी और कहा कि राज्य ने एक नई पीढ़ी, एक नई आवाज तथा एक नई कल्पना को चुना है। गांधी ने चेन्नई में विजय के शपथग्रहण समारोह में भाग लिया और कार्यक्रम की तस्वीरें सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा कीं। विजय ने रविवार को एक भव्य समारोह में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही राज्य में 60 वर्षों बाद पहली बार गैर-द्रमुक (द्रविड़ मुनेत्र कषगम) और गैर-अन्नाद्रमुक (ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम) सरकार बनी है।

विपक्ष के नेता ने 'एक्स' पर कहा, ''तमिलनाडु ने चुनाव कर लिया है। एक नई पीढ़ी। एक नई आवाज। एक नई कल्पना। थिरु विजय को मेरी शुभकामनाएं - आशा है कि वह तमिलनाडु की जनता की आशाओं को पूरा करेंगे।'' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी विजय को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि लंबे समय से राज्य की राजनीतिक और सामाजिक चेतना को परिभाषित करने वाले आदर्श टीवीके प्रमुख के नेतृत्व में सरकार को आगे भी दिशा देते रहेंगे।

खरगे ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, विजय के तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर मैं उन्हें, तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पार्टी और पूरे गठबंधन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।''

लगभग 70 वर्षों में पहली बार गैर-द्रमुक, गैर-अन्ना द्रमुक सरकार बनाने के लिए बहुमत जुटाने हेतु कई दिनों की गहन बातचीत के बाद विजय अंततः शनिवार को विदुथलाई चिरुथाइगल काची (वीसीके) और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के चार विधायकों का समर्थन हासिल करने में सफल रहे। कांग्रेस ने चुनाव के तुरंत बाद टीवीके को अपने पांच विधायकों का समर्थन देने का वादा किया था।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**